दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन पारत् राष्ट्रमत् | दिनचरी हिन्दी नाळिदऴ् | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 झारखंड की जनसांख्यिकी बदल रही है 'बांग्लादेशी घुसपैठ' : बाबूलाल मरांडी

6 कूटनीति के मंच पर लोकतंत्र की परीक्षा

7 ऐश्वर्या राय ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेरा

फर्स्ट टेक

सीसीपीए ने ओला, रैपिडो ऐप पर पहले ही 'टिप' लेने की जांच शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ओला कैब्स और रैपिडो जैसी ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाताओं की जांच कर रहा है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि क्या इन मंचों पर ग्राहकों से यात्रा के पहले ही 'टिप' लेने की अनुचित व्यापार गतिविधियां चलाई जा रही हैं। सीसीपीए ने बुधवार को भी ऐप–आधारित कैब सेवा प्रदाता उबर को जल्दी सेवा के लिए उपयोगकर्ताओं को अग्रिम 'टिप' देने को कथित तौर पर 'मजबूर' करने के लिए नोटिस जारी किया था। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सीसीपीए ओला कैब्स और रैपिडो बाइक ऐप जैसे अन्य ऐप की भी जांच कर रही है कि कहीं वे इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाए गए तो उन्हें भी नोटिस दिया जाएगा।

अगस्ता वेस्टलैंड मामला: तिहाड़ जेल अधीक्षक के खिलाफ जमानती वारंट जारी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने अगस्ता वेस्टलैंड मामले में जेल में बंद बिचौलिए एवं ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की याचिका पर जवाब नहीं देने पर तिहाड़ जेल अधीक्षक के खिलाफ बृहस्पतिवार को जमानती वारंट जारी किया। विशेष न्यायाधीश संजीव अग्रवाल ने अधिकारी को 29 मई को आदेश का पालन न करने का कारण बताने के लिए तलब किया है। यह आदेश जेम्स की उस याचिका पर आया जिसमें जेल में उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर 29 अगस्त, 2019 को तैयार जांच रिपोर्ट के निष्कर्षों पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया था।

रूस और यूक्रेन के बीच कोई नई प्रत्यक्ष शांति वार्ता निर्धारित नहीं : क्रेमलिन

मॉस्को/एपी। रूस और यूक्रेन ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए आगे कोई प्रत्यक्ष वार्ता तय नहीं की है। रूसी राष्ट्रपति भवन 'क्रेमलिन' के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वर्ष 2022 के बाद से दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच आमने–सामने की पहली वार्ता के लगभग एक सप्ताह बाद क्रेमलिन के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। कुछ दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि वे ''तुरंत'' संघर्ष विराम वार्ता शुरू करेंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने संवाददाताओं से कहा, ''अगली बैठकों के बारे में कोई ठोस समझौता नहीं हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''इस संबंध में अभी

सूर्यास्त 23-05-2025	सूर्योदय 24-05-2025
6:29 बजे	5:41 बजे

BSE	NSE
80,951.99	24,609.70
(-644.64)	(-203.75)

सोना	चांदी
9,890 रु.	109,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

राष्ट्रपति मुर्मू ने छह कीर्ति चक्र, 33 शौर्य चक्र प्रदान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस के कर्मियों को अदम्य साहस और असाधारण वीरता दिखाने के लिए बृहस्पतिवार को छह कीर्ति चक्र प्रदान किए, जिनमें से चार को मरणोपरांत दिए गए हैं। कीर्ति चक्र भारत का दूसरा सबसे बड़ा शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है।

सरकार की ओर से साझा की गई पुरस्कार विजेताओं की सूची के अनुसार, 'सिख लाइट इन्फैंट्री' के कर्नल मनप्रीत सिंह, राष्ट्रीय राइफल्स के दो अन्य सैन्य कर्मियों और जम्मू–कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी को मरणोपरांत कीर्ति चक्र दिया गया।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह के दौरान सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पुलिस के कर्मियों को 33 शौर्य चक्र भी प्रदान किए, जिनमें से सात को मरणोपरांत दिए गए हैं।

मराठा लाइट इन्फैंट्री, 56 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर मल्ला राम गोपाल नायडू और पंजाब रेजिमेंट, 22 राष्ट्रीय राइफल्स के मेजर मंजीत को कीर्ति चक्र दिया गया। बयान में कहा गया है कि जम्मू–कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, 63 राष्ट्रीय राइफल्स के राइफलमैन रवि कुमार; सिख लाइट इन्फैंट्री, 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कर्नल मनप्रीत सिंह; आर्टिलरी रेजिमेंट, 28 राष्ट्रीय राइफल्स के नायक दिलवर खान; और जम्मू– कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट को मरणोपरांत भारत का दूसरा सबसे बड़ा शांतिकालीन वीरता पुरस्कार प्रदान किया गया।

न ट्रेड न टॉक, अब सिर्फ पीओके पर ही होगी बात : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के विभिन्न राज्यों में रेलवे की 26 हजार करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।
- हर आतंकवादी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, यह कीमत पाकिस्तान की सेना एवं अर्थव्यवस्था चुकायेगी।
- दुनिया ने यह देख लिया कि जब सिंदूर बारुद बन जाता हैं तो नतीजा क्या होता हैं।

बीकानेर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत का रुद्र रुप एवं नया स्वरुप बताते हुए कहा है कि हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने वालों को मिट्टी में मिलाया हैं और जो हिन्दुस्तान का लहू बहाते थे आज कतरे कतरे का हिसाब चुकाया हैं एवं अपने प्रण पर खरे उतरे हैं तथा अब पाकिस्तान के साथ न ट्रेड होगा न टॉक। अगर बात होगी तो सिर्फ पीओके के बारे में ही होगी।

मोदी गुरुवार को यहां पलाना में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ने दो टूक साफ कर दिया है कि हर आतंकवादी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, यह कीमत पाकिस्तान की सेना एवं अर्थव्यवस्था चुकायेगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारत के हक का पानी नहीं मिलेगा। अब भारतीयों के खून से खेलना पाकिस्तान को महंगा पड़ेगा। यह भारत का संकल्प हैं कि दुनिया की कोई ताकत इस संकल्प से नहीं डिगा सकती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत निर्माण के लिए सुरक्षा और समृद्धि दोनों जरुरी है। यह तभी संभव होगा जब भारत का कोना कोना मजबूत होगा। आज का यह कार्यक्रम भारत के तेज विकास का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हमारी बहनों की मांग का सिंदूर उजाड़ दिया था, पहलगाम में गोलिया चली थी उन गोलियों में 140 देशवासियों का सीना छलनी हुआ था। इसके बाद हर देशवासी ने एकजुट होकर संकल्प लिया था कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे और कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे। आज देश की सेना के शौर्य से हम सब उस प्रण पर खरे उतरे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी थी और तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिसतना को घूटने टेकने पर मजबूर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि 22 तारीख के हमले के जवाब में हमने 22 मिनट में आतकवाद के नौ सबसे बड़े ठिकानों को तबाह कर दिया। दुनिया ने यह देख लिया कि जब सिंदूर बारूद बन जाता हैं तो नतीजा क्या होता हैं। यह संयोग ही है कि पांच साल पहले बालाकोट में देश ने एयर स्ट्राइक की थी तब मेरी पहली जनसभा राजस्थान में सीमा पर हुई थी। वीर भूमि का ही यह सब है ऐसा संयोग बन जाता है।

वक्फ मामले में उच्चतम न्यायालय ने अंतरिम फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद बृहस्पतिवार को तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया, जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीड घोषित संपत्तियों को गैर–अधिसूचित करने की शक्ति भी शामिल है।

शीर्ष अदालत ने साथ ही संवैधानिकता की धारणा के संशोधित वक्फ कानून के पक्ष में होने की बात दोहराई।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संशोधित वक्फ कानून को चुनौती देने वालों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक सिंघवी और हुजेफा अहमदी तथा केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें लगातार तीन दिन तक सुनने के बाद अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं पहले ही कह चुका हूं कि इसमें संवैधानिकता की धारणा है।

इससे पहले, 20 मई को भी प्रधान न्यायाधीश ने यही बात कही थी और याचिकाकर्ताओं को स्पष्ट किया था, अंतरिम राहत के लिए आपको एक बहुत मजबूत और स्पष्ट मामला बनाना होगा।

बेंगलूरु सुरंग सड़क के लिए वैश्विक निविदा आमंत्रित की जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को बेंगलूरु में सुरंग सड़क परियोजना के लिए वैश्विक निविदा आमंत्रित करने का निर्णय लिया, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 17,780 करोड़ रुपये है। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने यह जानकारी दी। बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री के रूप में शिवकुमार ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा, सुरंग सड़क के लिए निविदा आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री को यह निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है कि हाइब्रिड मॉडल या अन्य मॉडल को चुना जाए। मुख्यमंत्री और मैं तकनीकी रूप से इस पर निर्णय लेंगे। यह एक वैश्विक निविदा होगी। अनुमानित लागत 17,780 करोड़ रुपये है। यह जुड़वां सुरंग हेब्बाल के एस्टीम मॉल जंक्शन से सिल्क बोर्ड जंक्शन तक चलेगी, जिसकी लंबाई 16.745 किलोमीटर होगी। अधिकारियों ने बताया कि इसमें तीन मुख्य कैरिजवे के साथ–साथ दो या तीन लेन के प्रवेश और निकास रैंप होंगे। मंत्रिमंडल ने बेंगलूरु मेट्रो रेल परियोजना चरण–2 की संशोधित परियोजना लागत को 26,405.14 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 40,425.02 करोड़ रुपये करने को भी मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो लाइन की लंबाई 72.09 किलोमीटर से बढ़ाकर 75.06 किलोमीटर कर दी गई है, जिसके कारण अनुमान में संशोधन किया गया है। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण की लागत और क्षेत्रफल में वृद्धि, भूमि की गाइडलाइन दर में वृद्धि और सिविल कार्यों की लागत में भी वृद्धि हुई है।

शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल ने यह भी निर्णय लिया है कि ऐसे सभी संघों या संगठनों, जिन्हें बेंगलूरु विकास प्राधिकरण से नागरिक सुविधा स्थल आवंटित किए गए हैं, के लिए संपूर्ण ब्याज राशि माफ कर दी जाएगी। बशर्ते वे प्राधिकरण को संपूर्ण पट्टा राशि 120 दिनों के भीतर चुका दें। उन्होंने कहा कि यह एक विशेष मामले के रूप में और एक बार के उपाय के रूप में बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (नागरिक सुविधा स्थलों का आवंटन) नियम, 1989 के प्रावधानों में ढील देकर किया जा रहा है। शिवकुमार ने कहा कि सात वर्षों की अवधि के लिए 4,791 करोड़ रुपये की लागत से बेंगलूरु के लिए एक नई कचरा संग्रहण और निपटान योजना तैयार की जा रही है।

भारत के साथ एकजुटता

संयुक्त अरब अमीरात और जापान ने बृहस्पतिवार को आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की है। भारत ने पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ बृहस्पतिवार को अपनी वैश्विक संपर्क कवायद शुरू की है और पहलगाम में पर्यटकों पर हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आत्मरक्षा के अधिकार पर पक्ष रखने के लिए बहुदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल जापान और संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे हैं। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के सहिष्णुता मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान, रक्षा समिति के अध्यक्ष अली अल नूमी और अन्य प्रमुख नेताओं के साथ बातचीत की, जबकि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के संजय झा के नेतृत्व में सांसदों के एक अन्य प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया और अन्य नेताओं के साथ बातचीत की।

गुजरात में कोरोना वायरस के 15 नए मामले सामने आए

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में लंबे अंतराल के बाद कोरोना वायरस से संक्रमण के 15 नए मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने वायरस के नये स्वरूप के अधिक गंभीर नहीं होने का उल्लेख करते हुए लोगों से कहा है कि वह घबराएं नहीं। अधिकारियों ने बताया कि सभी मरीजों का उनके घरों पर ही उपचार किया जा रहा है। अतिरिक्त निदेशक (सार्वजनिक स्वास्थ्य) डॉ. नीलम पटेल ने बताया कि गुजरात में वर्तमान में कोविड–19 के जेएन.1 स्वरूप के 15 मरीजों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह वैरिएंट ओमिक्रॉन के प्रकार का ही है।

विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने भारत की नीति को दोहराते हुए जोर देकर कहा

आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं, कश्मीर पर किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति को दोहराते हुए जोर देकर कहा है कि इसे जम्मू कश्मीर के साथ जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए,जो भारत तथा पाकिस्तान के बीच का द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तरह की मध्यस्थता की कोई जगह नहीं है। नीदरलैंड की यात्रा पर गये जयशंकर ने 'दे वोक्सक्रांत' पत्रिका को दिये साक्षात्कार में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद के खिलाफ भारतीय कार्रवाई की एकजुट होकर सराहना करनी चाहिए।

आतंकवाद को जम्मू कश्मीर मुद्दे से जोड़ने से संबंधित प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत के लिए आतंकवाद इससे 'एकदम अलग मुद्दा' है। यह अंतर्राष्ट्रीय अपराध है जिसे किसी भी तरीके से माफ नहीं किया जा सकता या उचित नहीं ठहराया जा सकता।

कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप या अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की मध्यस्थता की पेशकश से जुड़े सवाल पर जयशंकर ने साफ शब्दों में कहा , इसमें मध्यस्थता की कोई गुंजाईश नहीं है यह दोनों देशों के बीच एक द्विपक्षीयमुद्दा है।

विदेश मंत्री ने कहा , जहां तक जम्मू–कश्मीर का सवाल है, यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि 1947 में पाकिस्तान के भारत से अलग होने पर यह भारत में शामिल हो गया। हमारा रुख यह है कि अवैध रूप से कब्जा करने वालों को अवैध कब्जे वाले हिस्सों को सही मालिक को वापस करना चाहिए, और सही मालिक भारत है।

भारत के सम्मान से प्रधानमंत्री ने समझौता किया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रोके जाने के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक टिप्पणी का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उन्होंने भारत के सम्मान से समझौता कर लिया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान की बात पर भरोसा क्यों किया? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछले दिनों दिए गए राष्ट्र के नाम संबोधन के अंश का वीडियो 'एक्स' पर साझा किया, जिसमें मोदी ने कहा है कि सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) स्तर पर संवाद के दौरान पाकिस्तान ने भरोसा दिलाया कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा, जिसके बाद भारत ने भी उसकी बात पर विचार किया।

राहुल गांधी ने कहा, ''मोदी जी, खोखले भाषण देना बंद कीजिए। सिर्फ इतना बताइए कि आतंकवाद पर आपने पाकिस्तान की बात पर भरोसा क्यों किया, ट्रंप के सामने झुककर आपने भारत के हितों की कुर्बानी क्यों दी और आपका ख़ून सिर्फ कैमरों के सामने ही क्यों गरम होता है?'' उन्होंने आरोप लगाया, ''आपने (प्रधानमंत्री) भारत के सम्मान से समझौता कर लिया।''

आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में सेना का जवान शहीद

जम्मू/भाषा। जम्मू–कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के चटरू इलाके में गुरुवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि चटरू के सिंहपुरा इलाके में आतंकवादियों और पुलिस तथा सेना की संयुक्त टीम के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक जवान घायल हो गया है। घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, ऑपरेशन त्राशी में आज सुबह किश्तवाड़ के चटरू में पुलिस और सेना के संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादियों से मुठभेड़ हो गयी। गोलीबारी में हमारे एक बहादुर जवान को गंभीर चोटें आईं और बेहतरीन चिकित्सा प्रयासों के बावजूद जवान ने दम तोड़ दिया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

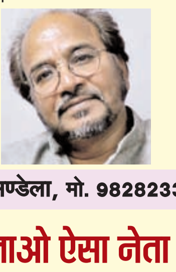

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लाओ ऐसा नेता

धर्म जाति अगड़ा– पिछड़ा,
अब उच्च दलित में बँटा वोट।
क्या यही स्वप्न था भारत का,
देखें हम जिसमें सदा खोट।
अपनी सत्ता के हित साधक,
चल रहे शकुनि बन कुटिल गोट।
लाओ कोई ऐसा नेता,
समदर्शी बन कर सके चोट।।

रेखा गुप्ता ने अमित शाह से मुलाकात के बाद कहा

यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को यमुना की सफाई के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि वह नदी को स्वच्छ बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

यमुना पुनरोद्धार प्रयासों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से मुखातिब गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण यमुना को उसके उद्गम स्थल से लेकर अंतिम बिंदु तक स्वच्छ बनाना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, केंद्र और दिल्ली सरकार यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम नदी के उस हिस्से पर काम कर रहे हैं, जो दिल्ली से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा, बैठक में जल शक्ति मंत्रालय और दिल्ली सरकार के अधिकारी मौजूद थे। हम स्वच्छ यमुना के लक्ष्य की ओर कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं।

आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में वजीराबाद और ओखला के बीच यमुना का 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा, जो नदी की कुल लंबाई का दो फीसदी से भी कम है, इसमें 80 प्रतिशत प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है।

हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए ऋषिकेश से पहला जत्था रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को ऋषिकेश से पंजप्यारों की अगुवाई में श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा की यात्रा के लिए प्रथम जत्थे को रवाना किया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने संगतों के प्रथम जत्थे को बधाई देते हुए उनकी सुगम व सुरक्षित यात्रा की कामना की।

चमोली जिले में 15 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित इस प्रसिद्ध सिख तीर्थस्थल के कपाट 25 मई को खुलने हैं। हेमकुंड साहिब की इस यात्रा को आस्था, भक्ति और विश्वास का प्रतीक बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि तीर्थस्थल तक की लगभग 18 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा हर श्रद्धालु के धैर्य और साहस की परीक्षा है। उन्होंने कहा कि सरकार श्री हेमकुंड साहिब यात्रा को अधिक सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सिंह ने प्रशासन और गुरुद्वारा प्रबंधन समिति द्वारा यात्रा मार्गों पर की गई तैयारियों की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं से प्लास्टिक मुक्त यात्रा के मंत्र को अपनाने और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देकर 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा देने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, श्री हेमकुंड साहिब की

यात्रा हमारे राज्य की धार्मिक और आध्यात्मिक संस्कृति का अनुपम संगम है। हेमकुंड साहिब को दिव्य ऊर्जा का केंद्र बताते हुए धामी ने कहा कि दुर्गम क्षेत्र और मौसम की कठिनाई के बावजूद हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस यात्रा पर आते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 60 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने हेमकुंड साहिब के लिए पंजीकरण कराया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार हेमकुंड साहिब यात्रा को सरल और सुगम बना रही है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राज्य सरकार ने गोविंदघाट में वैली ब्रिज का निर्माण करवाया है और वहां जल्द ही स्थाई पुल का निर्माण भी कराया जाएगा।

इस मौके पर हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने भी कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए संगतों की सफल यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्याालय द्वारा हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के सहयोग से तैयार एआई-संचालित चैटबॉट 'इटरनल गुरु' के अपग्रेडेड संस्करण का भी प्रदर्शन किया गया। यह चैटबॉट गुरबाणी पर आधारित है।

नेहरू स्मारक को प्रधानमंत्री संग्रहालय बनाया गया, पूर्व भवन 'लोकतांत्रिक' नहीं था: नृपेंद्र मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री संग्रहालय की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा का कहना है कि नेहरू स्मारक संग्रहालय को प्रधानमंत्री संग्रहालय में इसलिये परिवर्तित किया गया क्योंकि यह महसूस किया जा रहा था कि पूर्ववर्ती भवन लोकतांत्रिक नहीं था।

जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए इस पद पर पुनः नियुक्त किए गए मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में बताया कि उन्हें यह सुनिश्चित करने का दायित्व दिया गया है कि संग्रहालय में प्रत्येक प्रधानमंत्री के साथ व्यवहार में समानता का तत्व हो।

कार्यकारी परिषद प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी के पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री हैं तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वर्तमान में इसके उपाध्यक्ष हैं। मिश्रा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना था कि इस भवन को और अधिक लोकतांत्रिक बनाया जाना चाहिए। इसमें देश के सभी प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाना चाहिए ताकि भावी पीढ़ी यह जानने के लिए उत्साहित हो कि सभी प्रधानमंत्री देश के प्रति ईमानदार थे और उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ कार्य किया तथा विभिन्न वर्गों, आय स्तरों, पृष्ठभूमियों से आने वाले लोग भी प्रधानमंत्री बनने की आकांक्षा रख सकें।

नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है, जिसकी स्थापना 1966 में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की स्मृति में की गई थी। इसका नाम 2023 में बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी कर दिया गया, जिससे राजनीतिक विवाद शुरू हो गया और कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। उन्होंने कहा, अमेरिका की तरह, राष्ट्रपतियों के लिए भी पुस्तकालय हैं।

तोप गोले, विस्फोटक आपूर्ति के लिए रिलायंस डिफेंस का जर्मन कंपनी के साथ समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अनिल अंबानी की रिलायंस डिफेंस ने महाराष्ट्र में स्थापित किये जाने जाने वाले कारखाने से तोप के गोले और गोला-बारूद जैसे विस्फोटक की आपूर्ति के लिए जर्मनी की हथियार विनिर्माता राइनमेटल एजी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

रिलायंस डिफेंस ने एक बयान में कहा, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित रिलायंस डिफेंस लिमिटेड (रिलायंस डिफेंस) और डसेलडोर्फ स्थित राइनमेटल एजी ने गोला-बारूद के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी पर सहमति व्यक्त की है। इस आशय के एक समझौते पर अब दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए। यह समूह का दसॉ एविएशन और फ्रांस की थेल्स के साथ संयुक्त उपक्रम के बाद तीसरा रक्षा समझौता है।

बयान के अनुसार, कंपनियों के बीच सहयोग में रिलायंस द्वारा राइनमेटल को मध्यम और बड़े कैलिबर गोला-बारूद के लिए विस्फोटक और प्रणोदक की आपूर्ति शामिल होगी। इसके अलावा, दोनों कंपनियां चयनित उत्पादों के लिए संयुक्त विपणन गतिविधियों में संलग्न होने पर बात कर रही हैं और भविष्य के अवसरों के आधार पर अपने सहयोग का विस्तार कर सकती हैं।

पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत दिल्ली समेत पांच शहरों को करीब 11 हजार ई-बसें उपलब्ध कराई जाएंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि पीएम ई-ड्राइव योजना के मौजूदा चरण के तहत दिल्ली और बेंगलूरु समेत पांच बड़े शहरों को करीब 11,000 इलेक्ट्रिक बसें मुहैया कराई जाएंगी। केंद्रीय मंत्री ने यह बयान इस योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत पर एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद दिया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, भारी उद्योग मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि पीएम ई-ड्राइव योजना के वर्तमान चरण के तहत बेंगलूरु को लगभग 4,500, हैदराबाद को 2,000, दिल्ली को 2,800, अहमदाबाद को 1,000 और सूरत को 600 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी।

कुमारस्वामी ने कहा कि बेंगलूरु से लेकर दिल्ली तक, शहर सार्वजनिक परिवहन को स्वच्छ, स्मार्ट और अधिक कुशल बनाने के लिए सक्रिय रूप से इलेक्ट्रिक बसों को अपना रहे हैं। मंत्री ने कहा, हम केवल इलेक्ट्रिक बसें आवंटित नहीं कर रहे हैं, हम नवाचार और पर्यावरण चेतना के साथ भारत की परिवहन प्रणाली के भविष्य को आकार दे रहे हैं। उन्होंने कहा, केंद्र और तेलंगाना, कर्नाटक, दिल्ली और गुजरात जैसे राज्यों के बीच घनिष्ठ समन्वय के साथ, हम पीएम ई-ड्राइव वादे को पूरा करने के लिए दृढ़ हैं। पीएम ई-ड्राइव पहल का लक्ष्य अप्रैल, 2024 से मार्च, 2026 तक दो साल की अवधि में 10,900 करोड़ रुपए के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ 14,028 इलेक्ट्रिक बसें तैनात करना है।

दिल्ली के एक बुजुर्ग के पित्ताशय से करीब 8000 पथरी निकाली गई

नई दिल्ली/भाषा। एक दुर्लभ चिकित्सा मामले में राष्ट्रीय राजधानी के 70 वर्षीय एक बुजुर्ग के पित्ताशय से 8,125 पथरी निकाली गई। चिकित्सकों ने यह उपलब्धि करीब एक घंटे की सर्जरी के बाद प्राप्त की।

गुरुग्राम के फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि अस्पताल में की गई सर्जरी लगभग 60 मिनट तक चली, जबकि पथरी की गिनती में टीम को लगभग छह घंटे लगे। बयान के मुताबिक मरीज कई वर्षों से पेट में दर्द, बीच-बीच में बुखार, भूख न लगना, तथा छाती और पीठ में भारीपन की समस्या से पीड़ित था। पित्ताशय की पथरी अक्सर कोलेस्ट्रॉल असंतुलन के कारण बनती है और समय के साथ बढ़ सकती है।

बयान के मुताबिक मरीज की 12 मई को लेप्रोस्कोपिक पित्ताशय की थैली हटाने की सर्जरी की गई थी। अस्पताल के अनुसार, यह संभवतः दिल्ली-एनसीआर में पित्ताशय से निकाली गई पथरी की सबसे बड़ी संख्या है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के पांच अमृत स्टेशन का किया उद्घाटन

रायपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़ के पांच अमृत स्टेशन का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। यह रेलवे स्टेशन देशभर में प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उद्घाटन किए गए 103 अमृत भारत स्टेशन में शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज डिजिटल माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के पांच अमृत स्टेशन सहित देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। इन स्टेशन का उन्नयन यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के जिन अमृत स्टेशन का उद्घाटन हुआ है, उनमें बिलासपुर मंडल का अंबिकापुर स्टेशन, रायपुर मंडल का उरकुरा, भिलाई एवं भानुप्रतापपुर स्टेशन तथा नागपुर मंडल का डोंगरगढ़ स्टेशन शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल रमेन डेका उरकुरा रेलवे स्टेशन में और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना केवल यात्री सुविधाओं के उन्नयन तक सीमित नहीं है बल्कि यह विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।''

प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश में पुनर्विकसित बैजनाथ पपरोला रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में पुनर्विकसित बैजनाथ पपरोला रेलवे स्टेशन का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्निर्मित यह स्टेशन उन 103 रेलवे स्टेशन में शामिल है, जिनका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने राजस्थान के बीकानेर से किया।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला मंडी जिले के करसोग से उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने लोगों की ओर से प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास से राज्य में पर्यटन को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा, साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, शुक्ला ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में इस समय 17,714 करोड़ रुपए की परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। इसके अलावा, केंद्रीय बजट 2025-26 में राज्य के लिए रिकॉर्ड 2,716 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। सात करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित इस स्टेशन पर अब कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसमें वातानुकूलित प्रतीक्षा कक्ष, विश्राम कक्ष, शिशु देखभाल कक्ष, स्टील बेंच और पार्किंग सुविधाओं के साथ एक ओवरब्रिज शामिल है। यहां हाई-स्पीड वाई-फाई, स्वच्छ शौचालय, वाटर एटीएम और खानपान के स्टॉल की भी व्यवस्था की गई है।

इंडसइंड बैंक के अंतरिम प्रबंधन के त्वरित उपायों से फिर जगेगा भरोसा: हिंदुजा

मुंबई/भाषा। लेखांकन विवाद में घिरे इंडसइंड बैंक के प्रवर्तक समूह आईआईएचएल के चेयरमैन अशोक हिंदुजा ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंक के अंतरिम प्रबंधन के 'त्वरित' उपायों से निजी क्षेत्र के ऋणदाता के प्रति दोबारा भरोसा जगाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही हिंदुजा ने कहा कि जरूरत पड़ने पर बैंक को और अधिक पूंजी के साथ समर्थन देने के लिए आईआईएचएल प्रतिबद्ध है।

हिंदुजा ने एक बयान में कहा, मैं विसंगतियों और चिंता के संबंधित क्षेत्रों को दूर करने के लिए उचित, त्वरित कार्रवाई के लिए बैंक के चेयरमैन और निदेशक मंडल के प्रति अपना भरोसा व्यक्त करता हूं। यह बयान संकटग्रस्त बैंक द्वारा मार्च तिमाही में 2,329 करोड़ रुपए के घाटे की सूचना देने के एक दिन बाद आया है। बैंक प्रबंधन ने हाल ही में चिह्नित सभी विसंगतियों को स्वीकार करने के साथ यह माना है कि इसमें कुछ कर्मचारियों की धोखाधड़ी की भूमिका थी। हिंदुजा ने कहा, इस कदम से पारदर्शिता और संचालन के उच्च मानक बनेंगे, जिससे बैंक में नए सिरे से भरोसा पैदा होगा। इन कार्रवाइयों ने यह सुनिश्चित किया है कि बैंक का व्यवसाय मजबूत पूंजी पर्याप्तता के साथ स्वस्थ बना रहे। हिंदुजा ने 'उचित मार्गदर्शन के साथ बहुत व्यवस्थित तरीके से मुद्दों को संबोधित करने' के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की भी सराहना की। लेखांकन में गड़बड़ियों का मामला गहराने के बाद बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुमंत कठपालिया और डिप्टी सीईओ अरुण खुराना ने 29 अप्रैल को इस्तीफा दे दिया था।

इंडसइंड बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन के 'गंभीर उल्लंघन' को देख रहा सेबी : चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को कहा कि लेखांकन में करीब 3,400 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में इंडसइंड बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन के किसी भी 'गंभीर उल्लंघन' की जांच की जा रही है।

पांडेय ने यहां उद्योग मंडल एसोचैम की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा कि इंडसइंड बैंक से संबंधित मुद्दों से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) निपटेगा, लेकिन सेबी संकटग्रस्त बैंक के अधिकारियों द्वारा प्रतिभूति बाजार उल्लंघनों की भी जांच कर रहा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख ने कहा, इस मामले में जो आरबीआई को करना है वह कर रहा है, सेबी अपने अधिकार क्षेत्र में काम कर रहा है...यदि किसी ने अपनी क्षमता में कोई गंभीर उल्लंघन किया है, तो सेबी उसकी जांच कर रहा है।

बुधवार को इंडसइंड बैंक के निदेशक मंडल ने डेरिवेटिव, सूक्ष्म वित्त और बही-खाते की 'धोखाधड़ी' में कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता का संदेह जताते हुए मामले की जानकारी जांच एजेंसियों और नियामक प्राधिकरणों को देने का निर्देश प्रबंधन को दिया था।

निजी क्षेत्र के बैंक ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा था कि आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट के साथ बाहरी पेशेवर फर्म की समीक्षा के आधार पर निदेशक मंडल को संदेह है कि 'बैंक के खिलाफ धोखाधड़ी की घटना' में बैंक के लेखांकन एवं वित्तीय रिपोर्टिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कुछ कर्मचारी संलिप्त रहे हैं। बैंक ने मार्च तिमाही और समूचे वित्त वर्ष के वित्त परिणामों को अंतिम रूप देते समय ऑडिट रिपोर्ट में चिह्नित सभी विसंगतियों के प्रभाव को उचित रूप से दर्ज करने के साथ दर्शाया है।

उच्च न्यायालय का 'ऑल्ट न्यूज' के पत्रकार के खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को पारित एक निर्णय में 'ऑल्ट न्यूज' के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ गाजियाबाद पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार कर दिया।

विवादास्पद धर्मगुरु यति नरसिंहानंद की एक सहयोगी की शिकायत पर दर्ज इस प्राथमिकी में जुबैर के खिलाफ धार्मिक समूहों के बीच वैमनस्यता बढ़ाने सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति डॉ वाई.के. श्रीवास्तव की पीठ ने हालांकि कहा कि मामले की विवेचना के दौरान याचिकाकर्ता को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। अदालत ने निर्देश दिया कि प्राथमिकी के अनुपालन में यह जांच जारी रहेगी। यति नरसिंहानंद सरस्वती ट्रस्ट की महासचिव उदिता त्यागी द्वारा की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जुबैर ने मुस्लिम समुदाय को हिंसा के लिए भड़काने की नीयत से तीन अक्टूबर 2024 को यति नरसिंहानंद के एक पुराने कार्यक्रम की वीडियो क्लिप पोस्ट की।

मान ने नांगल बांध पर सीआईएसएफ जवानों को तैनात करने के केंद्र के कदम का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नांगल बांध की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ के 296 जवानों की टुकड़ी तैनात करने के केंद्र सरकार के कदम की बृहस्पतिवार को निंदा करते हुए कहा कि क्या केंद्र को पंजाब पुलिस पर भरोसा नहीं है। केंद्र सरकार के कदम पर सवाल उठाते हुए मान ने कहा कि जब पंजाब पुलिस बांध की सुरक्षा कर रही है तो केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों को तैनात करने की क्या जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह शनिवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि क्या प्रधानमंत्री को लगता है कि पंजाब पुलिस अक्षम है। नांगल बांध के पानी के बंटवारे को लेकर पंजाब और हरियाणा के मध्य गतिरोध के बीच केंद्र ने बांध को आतंकवाद रोधी सुरक्षा प्रदान करने के लिए सीआईएसएफ के 296 कर्मियों की टुकड़ी की तैनाती को मंजूरी दी है।

इन जवानों की तैनाती के लिए भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) को सीआईएसएफ के पक्ष में 8.58 करोड़ रुपए की राशि जमा करने को कहा गया है। मान ने बृहस्पतिवार को संगरूर में मीडियाकर्मियों से कहा कि सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती में प्रतिवर्ष 8.58 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। उन्होंने इस संबंध में केंद्र के पत्र की प्रति दिखाई। मान ने कहा, ''वे कहते हैं कि या तो बीबीएमबी इस राशि का भुगतान करेगा या पंजाब करेगा। जब पंजाब पुलिस बांध को निशुल्क सुरक्षा प्रदान कर रही है तो इसकी क्या जरूरत है? हम पैसा क्यों देंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस कदम का कड़ा विरोध करता हूं। हम न तो बीबीएमबी के माध्यम से और न ही पंजाब सरकार के खजाने से पैसा देने देंगे।''

सुरक्षा घेरा तैनात करने के केंद्र के इरादे पर सवाल खड़ा करते हुए मान ने कहा कि क्या वह पंजाब के पानी का हिस्सा 'चुराना' चाहता है। उन्होंने कहा, ''इसका मतलब हुआ कि हम अपना पानी भी लुटाएंगे और उसके लिए पैसा भी देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे।'' मान ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ समेत पार्टी के नेताओं से सवाल किया कि क्या केंद्र का यह कदम उनकी स्वीकृति से उठाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र को इस निर्णय को वापस लेना चाहिए।

पर्यावरण मंत्रालय ने प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए अभियान शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए बृहस्पतिवार को राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन अभियान शुरू किया। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक मिशन: प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करें' अभियान का उद्देश्य नागरिकों को पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मिशन लाइफ' की कल्पना है, जो संसाधनों के सतत और विचारशील उपयोग पर केंद्रित एक पहल है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया पर अभियान-पूर्व एक वीडियो पोस्ट करते हुए सभी लोगों से सामूहिक रूप से जागरूकता से कार्रवाई की ओर बढ़ने का आग्रह किया। इस अभियान में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों, स्थानीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग, नागरिक समाज और सामुदायिक समूहों की व्यापक गतिविधियां होंगी।

बसवराजू को मार गिराने से नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने में सफल हुए: साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बृहस्पतिवार को कहा कि शीर्ष माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को सुरक्षाबलों द्वारा मार गिराने के साथ ही सरकार ने नक्सलवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोक दी है।

प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का महासचिव और पोलित ब्यूरो का सदस्य बसवराजू उन 27 नक्सलियों में शामिल था जिन्हें सुरक्षाबलों ने बुधवार को नारायणपुर और बीजापुर जिलों की सीमा पर अबूझमाड़ के जंगलों में मार गिराया।

साय ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''तीन दशकों में पहली बार हुआ है कि महासचिव स्तर का कोई माओवादी मारा गया हो। यह असाधारण कामयाबी है और इस बात का स्पष्ट संकेत है कि नक्सलवाद के ताबूत में हमने अंतिम कील जड़ दी है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''नक्सल आंदोलन की रीढ़ कहा जाने वाला भाकपा (माओवादी) का महासचिव और पोलित ब्यूरो सदस्य बसवराजू उर्फ

गगन्ना, इस कार्यवाही में ढेर किया गया है। इसकी गिनती माओवादियों में नंबर एक के रूप में होती थी। बसवराजू के ऊपर सवा तीन करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। इसमें छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा एक करोड़ रुपए, केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा एक करोड़ रुपए, एनआईए द्वारा 50 लाख रुपए, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा 25 लाख रुपए तथा ओडिशा सरकार द्वारा 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था।''

साय ने कहा, ''इस बड़ी सफलता से हमने नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने में कामयाबी हासिल की है। हमारी इस सफलता के पीछे हमारे सुरक्षा बलों के जवानों का शौर्य और साहस है। उन पर हमें गर्व है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारे जवानों का हौसला अपने चरम पर है, नक्सलियों की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।'' साय ने नक्सलियों से बातचीत के सवाल पर कहा, ''बंदूक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकती। नक्सलवाद ने भोले भाले आदिवासी लोगों के जीवन को तबाह किया है। आज बस्तर का हर व्यक्ति विकास चाहता है, गोली का जवाब गोली से और बोली का जवाब बोली से हमारी सरकार की नीति रही है।'' मुख्यमंत्री ने बताया, ''हमारी सरकार ने बीते डेढ़ साल में चार सौ से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है तथा 1422 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है।

प्रधानमंत्री ने दक्षिण रेलवे के 13 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 मई को राजस्थान के बीकानेर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में 103 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया, जहाँ से प्रधानमंत्री ने 26000 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न रेल अवसंरचना, विद्युतीकरण और अमृत स्टेशन परियोजनाओं का अनावरण किया। रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय विधि एवं न्याय तथा संसदीय मामलों के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल अन्य गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ राजस्थान में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित थे।

दक्षिण रेलवे में 13 अमृत स्टेशनों का अनावरण : प्रधानमंत्री ने गुरुवारको वर्चुअल माध्यम से दक्षिण रेलवे के अंतर्गत 13 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया। दक्षिण रेलवे के इन 13 स्टेशनों का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 130 करोड़ की संयुक्त लागत से किया गया, जिसका उद्देश्य यात्री सुविधाओं, मल्टी-मॉडल एकीकरण, स्थिरता और स्टेशन की सुंदरता को बढ़ाना है। दक्षिण रेलवे के सभी 13 स्टेशनों पर समारोह आयोजित किए गए, जिसमें जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों, रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों, यात्री संघों, मीडिया, रेल उपयोगकर्ताओं और उत्साही आम लोगों ने भाग लिया। समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और योग्यता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसके बाद प्रधानमंत्री की अगुवाई में वर्चुअल समारोह का आयोजन किया गया।

दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन में, चेन्नई उपनगरीय नेटवर्क की सेवा करने वाले दो प्रमुख स्टेशनों, अर्थात् सेंट थॉमस माउंट और सुल्लुरुपेटा काप्रधानमंत्री द्वारा वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया गया।

सेंट थॉमस माउंट में, सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन, तमिलनाडु सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएस एंड एमई) के मंत्री टीएम अनबरसन ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में दक्षिण रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक कौशल किशोर, चेन्नई डिवीजन के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रताप सिंह, सशस्त्र बलों के अधिकारी और पद्म पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया। उपनगरीय और मेट्रो यात्रियों के लिए एक प्रमुख इंटरचेंज हब, सेंट थॉमस माउंट, जिसका 11.05 करोड़ की लागत से पुनर्विकास किया गया है, में अब आधुनिक प्रवेश-निकास बिंदु, बेहतर भीड़-भाड़ और यात्री-केंद्रित सुविधाएं उपलब्ध हैं।

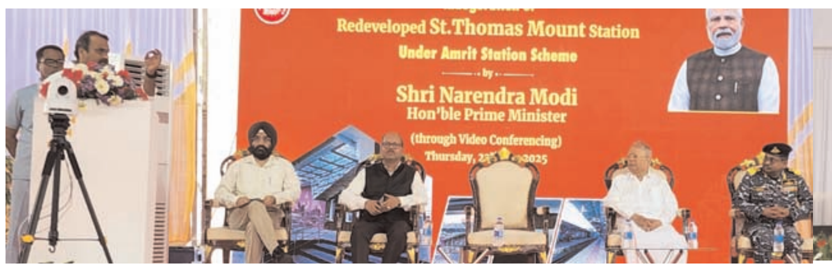

सुल्लुरुपेटा में केंद्रीय ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, डॉ. नेलावाला विजयश्री, विधायक तथा अन्य वरिष्ठ राज्य/केन्द्र सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया। चेन्नई रेलमंडल केप्रबंधक विश्वनाथ बी. ईर्या, यात्री संघों तथा मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों ने भाग लिया। चेन्नई-विजयवाड़ा मार्ग पर स्थित, श्रीहरिकोटा के प्रवेशद्वार सुल्लुरुपेटा को नए अग्रभाग, बेहतर प्लेटफार्म सतहों और स्मार्ट यात्री सुविधाओं के साथ 14.50 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है।

सेलम के सामलपट्टी में सांसद के. गोपीनाथ और विधायक तमिलसेल्वम ने सामलपट्टी अमृत स्टेशन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर सेलम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पन्ना लाल और सेलम मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। सेलम-जोलारपेट्टई लाइन पर स्थित एक कनेक्टिंग स्टेशन, सामलपट्टी, का 8 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है, जिसमें अब पुनर्निर्मित आश्रय स्थल, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और बेहतर परिसंचरण क्षेत्र हैं।

तिरुचिरापल्ली डिवीजन के श्रीरंगम में , सांसद दुरई वाइको, विधायक पलानियांडी ने भाग लिया। तिरुचिरापल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक एमएस अंबालागन और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

प्रसिद्ध रंगनाथस्वामी मंदिर के निकट स्थित श्रीरंगम स्टेशन को 6.77 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत किया गया है, जिसमें अब कॉम्पैक्ट लेआउट में उन्नत बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं के साथ विरासत की थीम प्रतिबिंबित होती है। तिरुवन्नामलाई में, सांसद सीएन अन्नादुरई, तिरुवन्नामलाई निगम की महापौर श्रीमती वी. निर्मला ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। प्रसिद्ध अरुणाचलेश्वर मंदिर वाले प्रमुख तीर्थस्थल, तिरुवन्नामलाई स्टेशन का 8.27 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है, तथा त्यौहारों के दौरान आने वाली भीड़ को आसानी से संभालने के लिए मंदिर से प्रेरित वास्तुकला और बेहतर सुविधाओं के साथ इसका सौंदर्यीकरण किया गया है।

पोलुर में नगरपालिका अध्यक्ष रानी षणमुगम ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। तिरुवन्नामलाई क्षेत्र को सेवा प्रदान करने वाले पोलुर स्टेशन को 6.15 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत किया गया है, अब इसमें नए प्लेटफार्म, बेहतर प्रवेश द्वार और स्थानीय यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं।

चिदम्बरम में सांसद डॉ. थोल थिरुमावलवन और विधायक डी. एस. चिंतानैसेल्वन ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिष्ठित नटराज मंदिर का घर, 5.96 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित, चिदम्बरम स्टेशन पर सौंदर्य, प्रकाश व्यवस्था और यात्री सुरक्षा में सुधार देखा गया है।

वृद्धाचलम में नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. एम. सांगवी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। वृद्धाचलम एक महत्वपूर्ण जंक्शन है, जिसका 9.17 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है, जिसमें अब चौड़े प्लेटफार्म, उन्नत स्टेशन भवन और यात्री-केंद्रित सुधार शामिल हैं। मन्नारगुडी में सांसद एस. मुरासोली, और नगरपालिकाके अध्यक्ष मन्नै टी. चोझराजन, ने भाग लिया। डेल्टा क्षेत्र में सेवा प्रदान करने वाले मन्नारगुडी स्टेशन को 4.69 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत किया गया है, जिससे आधुनिक सुविधाओं और स्वच्छ परिसर के साथ कार्यात्मक और सौंदर्यपरक उन्नयन प्राप्त हुआ है।

पलक्कड़ डिवीजन के वडकारा में केंद्रीय राज्य मंत्री अल्पसंख्यक मामले और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री जॉर्ज कुरियन, सांसद शफी परम्बिल, पीटी उषा, विधायक आदि केसाथ पलक्कड़ मंडल के डीआरएम अरुण कुमार चतुर्वेदी और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उत्तर केरल के एक प्रमुख तटीय स्टेशन, वडकारा को 24.25 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत किया गया है, तथा इसमें बेहतर प्लेटफार्म, प्रतीक्षा क्षेत्र, डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम और उन्नत अग्रभाग तत्वों के साथ इसका रूपांतरण किया गया है। वहीं पल्लकड़ डिवीजन के माहे में, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन और माहे के विधायक रमेश परमबथ ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी को सेवा प्रदान करने वाला माहे स्टेशन, 18.50 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया गया है, जो अब यात्रियों के लिए स्वच्छ, सुलभ और अधिक जीवंत स्थान प्रदान करता है, जो क्षेत्रीय सांस्कृतिक थीम को दर्शाता है।

तिरुवनंतपुरम डिवीजन के चिरायिनकीज में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी, सांसद अदूर प्रकाश, विधायक वी. शशि ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। तिरुवनंतपुरम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष थपल्याल और तिरुवनंतपुरम मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इसमें भाग लिया। 7 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत किए गए चिरायिनकीज स्टेशन में अब बेहतर प्रकाश व्यवस्था, स्मार्ट साइनेज और दैनिक एवं पर्यटक यात्रियों दोनों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं।

वहीं तिरुवनंतपुरम डिवीजन के कुलीत्तुराई में विधायक थरहाई कुथबर्ट और एमआर गांधी, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री पोन राधाकृष्णन और अन्य राज्य/केंद्र सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया। केरल-तमिलनाडु सीमा के निकट रणनीतिक रूप से स्थित, पुनर्विकसित कुलीत्तुराई स्टेशन (5.96 करोड़ रुपये) अब बेहतर पहुंच, स्वच्छ प्लेटफार्म और यात्री-अनुकूल उन्नयन प्रदान करता है।

शराब दुकान लाइसेंस

न्यायालय ने कहा- सारी सीमाएं पार कर रहा ईडी, टीएएसएमएसी के खिलाफ जांच पर रोक

चेन्नई/नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में कथित भ्रष्टाचार को लेकर तमिलनाडु की खुदरा शराब कंपनी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच पर बृहस्पतिवार को रोक लगाते हुए कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ''सारी सीमाएं'' पार कर रहा है और शासन की संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है।

राज्य सरकार और तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) की याचिकाओं पर ईडी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने धनशोधन रोधी जांच एजेंसी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू से कहा, आपका प्रवर्तन निदेशालय सभी सीमाएं पार कर रहा है। ईडी को धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की सख्त धाराओं के कथित दुरुपयोग को लेकर उच्चतम न्यायालय की कई पीठ द्वारा फटकार लगाई गई है।

विपक्षी दलों ने भी सरकार के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पीएमएलए प्रावधानों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ विरोध जताया है। टीएएसएमएसी के खिलाफ ईडी की छापेमारी पर सवाल उठाते हुए सीजेआई ने कहा, प्रवर्तन निदेशालय (शासन की) संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। पीठ ने राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अमित नंद तिवारी की दलीलों पर गौर किया तथा ईडी की टीएएसएमएसी के खिलाफ जांच पर फिलहाल रोक लगा दी।

विधि अधिकारी राजू ने आदेश का विरोध करते हुए कहा कि यह मुद्दा 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के भ्रष्टाचार से जुड़ा है और ईडी कम से कम इस ''मामले में'' सीमाएं नहीं पार कर रहा है। सिब्बल ने कहा कि वह राज्य सरकार और टीएएसएमएसी हैं, जिन्होंने शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में कथित अनियमितताओं को लेकर आपराधिक कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि 2014 से शराब की दुकानों के लाइसेंस आवंटन से जुड़े मामलों में कथित रूप से गलत काम करने वालों के खिलाफ अब तक 41 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और अब ईडी इसमें कूद पड़ी है तथा टीएएसएमएसी पर छापेमारी कर रही है।

पीठ ने पूछा, ''आप राज्य द्वारा संचालित टीएएसएमएसी पर कैसे छापा मार सकते हैं।'' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और विपणन निगम ने टीएएसएमएसी के परिसरों में ईडी द्वारा की गई छापेमारी के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है। संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए दायर याचिका में मद्रास उच्च न्यायालय के 23 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें ईडी की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था।

राज्य सरकार ने कहा, ''वर्तमान याचिका में कानून के व्यापक प्रश्न उठाए हैं, जिनमें संघवाद का मुद्दा भी शामिल हैं, जिसमें ईडी अपने दायरे से बाहर जाकर और राज्य के अपराधों की जांच करने के अधिकार को हड़पने का प्रयास कर रहा है।'' याचिका में छह मार्च से आठ मार्च, 2025 के बीच ईडी द्वारा की गई 60 घंटे की छापेमारी और जब्ती अभियान की वैधता को चुनौती दी गई है। इसमें कहा गया है, छह मार्च को, प्रतिवादी संख्या-एक (ईडी) ने पीएमएलए की धारा 17 के तहत प्रतिवादी संख्या-दो (टीएएसएमएसी) के मुख्यालय में छापेमारी और जब्ती की कार्यवाही की। टीएएसएमएसी याचिकाकर्ता/राज्य की 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली इकाई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि टीएएसएमएसी को इन प्राथमिकी में से किसी में भी आरोपी नहीं बनाया गया है और कई मामलों में वह शिकायतकर्ता है।

कांग्रेस की सूची से थरूर का नाम बाहर करना उनका अपमान : के सुधाकरण

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख के. सुधाकरन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर केंद्र के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले व्यक्तियों की सूची से तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम बाहर रखने के पार्टी के फैसले पर बृहस्पतिवार को सवाल उठाया और कहा कि यह उनका 'अपमान' करने जैसा है। सुधाकरन ने कहा कि थरूर एक सक्षम नेता और पार्टी के निष्ठावान सदस्य हैं और इसलिए उनके विचार में तिरुवनंतपुरम के सांसद को दरकिनार करना सही नहीं है।

उन्होंने यहां एक टीवी चैनल से कहा, ''मेरा मानना है कि यह सब एक अनावश्यक विवाद था।'' थरूर ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रुख रखने के लिए विदेश जाने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए केंद्र का निमंत्रण हाल में स्वीकार किया था। हालांकि इस उद्देश्य के लिए पार्टी द्वारा दिए गए नामों की सूची में उनका नाम नहीं था।

उन्होंने अपने निर्णय का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले में कोई राजनीति नजर नहीं आती। सांसद सुधाकरन ने कहा कि ऐसी अफवाहें थीं कि थरूर पार्टी छोड़ सकते हैं, लेकिन ये सच नहीं है। केरल प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने कहा, मैंने उनसे बात की। मेरा मानना है कि वह पार्टी नहीं छोड़ेंगे। पार्टी के प्रदेश प्रमुख पद से हटाए जाने के बारे में सुधाकरन ने कहा कि अब उन्हें कुछ राहत मिली है और वह इससे आहत या दुखी नहीं हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह राजनीति से दूर नहीं रहेंगे और पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे।

सतीशन ने केरल राजभवन के कार्यक्रम में संघ विचारक को आमंत्रित किए जाने की आलोचना की

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने यहां राजभवन में ''ऑपरेशन सिंदूर'' नाम से आयोजित एक कार्यक्रम में वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विचारक एस. गुरुमूर्ति को आमंत्रित करने की बृहस्पतिवार को कड़ी आलोचना की। केरल राजभवन में एक कार्यक्रम में गुरुमूर्ति के भाषण के एक दिन बाद सतीशन ने कहा कि राज्यपाल का आधिकारिक आवास राजनीतिक भाषणों के लिए उचित स्थान नहीं है। उन्होंने गुरुमूर्ति पर उनके भाषण के दौरान पूर्व प्रधानमंत्रियों और पिछली केंद्र सरकारों पर अपमानजनक' टिप्पणी करने का आरोप लगाया।

सतीशन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े कार्यक्रमों से हमें कोई परेशानी नहीं है। लेकिन ऐसे कार्यक्रमों में सैन्य विशेषज्ञों या विदेशी मामलों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाना चाहिए - राजनीतिक हस्तियों को नहीं। कांग्रेस नेता ने राजभवन द्वारा ''संघ नेता'' को आधिकारिक रूप से आमंत्रित किए जाने और उन्हें राजनीतिक टिप्पणी करने की अनुमति देने को ''गलत और दुर्भाग्यपूर्ण'' बताया। सतीशन ने मांग की कि राज्य सरकार राज्यपाल के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराए। राजभवन ने कांग्रेस नेता के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

केरल में आने वाले दिनों में भारी बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश जारी रहने के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिन के लिए राज्य के विभिन्न जिलों के वास्ते बृहस्पतिवार को 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। आईएमडी ने 24 से 26 मई तक कन्नूर और कासरगोड, 25 और 26 मई को कोझिकोड और वायनाड, तथा 26 मई को त्रिशूर, पलक्कड़ और मलप्पुरम जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

इसके अलावा मौसम विभाग ने 23 मई को 12 जिलों, 24 मई को नौ जिलों, 25 मई को 10 जिलों और 26 मई को सात जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। 'ऑरेंज अलर्ट' तब जारी किया जाता है जब 11 से 20 सेमी के बीच 'भारी वर्षा' का पूर्वानुमान होता है। वहीं छह से 11 सेमी के बीच 'वर्षा' का पूर्वानुमान होने पर येलो अलर्ट जारी किया जाता है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि कोट्टायम और इडुक्की जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसके अलावा अलप्पुझा, एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में भी बृहस्पतिवार को एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है।

श्रीलंका द्वारा रिहा किये गए भारतीय मछुआरे स्वदेश लौटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रीलंका की जेल से रिहा किए गए 11 भारतीय मछुआरे बृहस्पतिवार को स्वदेश लौट आए।

अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु में रामनाथपुरम जिले के रहने वाले मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने इस साल जनवरी में समुद्री सीमा के कथित उल्लंघन के लिए गिरफ्तार कर लिया था।

श्रीलंका की एक अदालत ने हाल में उन्हें रिहा करने का आदेश दिया था। वे कोलंबो से एक विमान से बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे और सड़क मार्ग से अपने गृह नगर रवाना हो गए।

केरल में तीन वर्षीय बच्ची की मौत के मामले में रिश्तेदार को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बच्ची को नदी में फेंकने के आरोप में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है मां को

कोच्चि। केरल में इस सप्ताह की शुरुआत में तीन वर्षीय बच्ची के नदी में मृत पाए जाने के बाद उसके पिता के एक करीबी रिश्तेदार को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि बच्ची को नदी में फेंकने के आरोप में उसकी मां को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमॉर्टम करने वाले चिकित्सकों ने बच्ची के शरीर पर चोट और निशान पाए जाने की सूचना दी थी, जिसके बाद संदिग्ध रिश्तेदार से पूछताछ की जा रही है।

कल्याणी नाम की बच्ची को उसकी मां संध्या ने मट्टाकुझी स्थित एक आंगनवाड़ी से लिया था, जिसके बाद बच्ची लापता हो गई थी। परिवार द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद सोमवार रात बच्ची की तलाश शुरू की गई थी। मंगलवार तड़के एक स्कूबा डाइविंग टीम द्वारा चलाए गए तलाश अभियान के दौरान बच्ची का शव बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

टीएएसएमएसी के खिलाफ ईडी जांच पर रोक तमिलनाडु सरकार को बदनाम करने की कोशिशों के लिए झटका : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता आर. एस. भारती ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलनाडु में सरकारी संस्था तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक लगाना राज्य में पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को बदनाम करने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने आरोप लगाया कि ''ईडी ब्लैकमेल'' करने वाला एक संगठन बन गया है।

शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में कथित भ्रष्टाचार को लेकर शराब की खुदरा विक्रेता टीएएसएमएसी के खिलाफ धन शोधन जांच पर शीर्ष अदालत द्वारा रोक लगाए जाने के संबंध में प्रतिक्रिया देते हुए द्रमुक नेता भारती ने कहा कि पार्टी इस आदेश का स्वागत करती है। अदालत के आदेश के तुरंत बाद द्रमुक के संगठन सचिव ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से गैर-भाजपा शासित राज्यों के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल किया गया है।

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु में 2021 में सत्ता संभालने के बाद से एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार लोकप्रियता हासिल कर रही है और मुख्यमंत्री का कद बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री की बढ़ती लोकप्रियता और 2021 के बाद द्रमुक गठबंधन की चुनावी जीत को पचा पाने में असमर्थ भाजपा ने ईडी का इस्तेमाल द्रमुक को बदनाम करने के लिए किया तथा भाजपा नेताओं ने तरह-तरह के आरोप लगाए।''

भारती ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय द्वारा टीएएसएमएसी के खिलाफ ईडी जांच पर रोक लगाना ऐसी चीजों के लिए एक बड़ा झटका है और इस फैसले में तमिलनाडु के लोगों की भावनाओं का सम्मान किया गया है... हम (उच्चतम न्यायालय के) आदेश का स्वागत करते हैं।'' पूर्व सांसद ने कहा, केंद्र सरकार को कम से कम इसके बाद तो ईडी का दुरुपयोग बंद कर देना चाहिए। भारती ने कहा कि ईडी द्वारा इस मामले में हाल में की गई छापेमारी तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव से सात से आठ महीने'' पहले की गई है।

भारती ने आरोप लगाया कि ईडी एक ब्लैकमेलिंग संगठन'' बन गया है। उन्होंने अपने दावे को पुष्ट करने के लिए संबंधित राज्यों में रिश्वतखोरी के आरोपों पर तमिलनाडु और केरल की राज्य पुलिस द्वारा एजेंसी के अधिकारियों को गिरफ्तार किए जाने के उदाहरणों का हवाला दिया।

मेरी नसों में गर्म सिंदूर बहता है; भारतीयों के खून से खेलना पाक को महंगा पड़ेगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के दुश्मनों ने देख लिया कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है। प्रधानमंत्री ने भारत के सशस्त्र बलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। मोदी ने यहां पलाना देशनोक में जनसभा को संबोधित किया। यह भारतीय सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद उनका राजस्थान में पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 22 तारीख के हमले के जवाब में हमने 22 मिनट में आतंकियों के नौ सबसे बड़े ठिकाने तबाह कर दिए। पाकिस्तान की सीमा से सटे इस इलाके में उन्होंने कहा, दुनिया ने ....और देश के दुश्मनों ने भी देख लिया कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है।

उन्होंने कहा, मोदी का दिमाग ठंडा रहता है लेकिन मोदी का लहू गर्म होता है। अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं गर्म सिंदूर बह रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा,अब भारत ने दो टूक साफ कर दिया है, हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। और ये कीमत, पाकिस्तान की सेना चुकाएगी, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चुकाएगी। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया प्रतिशोध का खेल नहीं बल्कि न्याय का नया रूप है और पाकिस्तान के साथ कोई व्यापार या बातचीत नहीं होगी, केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के बारे में बात होगी।

पाकिस्तान को सख्त संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि भारत परमाणु धमकियों से डरने वाला नहीं है और अगर देश पर आतंकवादी हमला होता है तो वह उसका मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवाद से निपटने के तीन सूत्र तय कर दिए हैं। पहला– भारत पर आतंकी हमला हुआ, तो करारा जवाब

मिलेगा। समय हमारी सेनाएं तय करेंगी, तरीका भी हमारी सेनाएं तय करेंगी, और शर्तें भी हमारी होंगी। दूसरा– एटम बम की गीदड़ भभकियों से भारत डरने वाला नहीं है। और तीसरा– हम आतंक के आकाओं और आतंक की सरपरस्त सरकार को अलग–अलग नहीं देखेंगे, उन्हें एक ही मानेंगे।'

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का ये 'स्टेट' और 'नॉन–स्टेट एक्टर' वाला खेल अब नहीं चलेगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम देने के लिए सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा,' हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी थी, और तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने बीकानेर में नाल एयरबेस को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन उसे रत्ती भर भी नुकसान नहीं पहुंचा सका। मोदी ने कहा, यहां से कुछ ही दूर सीमा पार पाकिस्तान का रहीम यार खान एयरबेस है, पता नहीं आगे कब खुलेगा, आईसीयू में पड़ा है। भारत की सेना के अचूक प्रहार ने, इस एयरबेस को तहस–नहस कर दिया है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, भारत से कभी सीधी लड़ाई जीत ही नहीं सकता। प्रधानमंत्री ने कहा जब भी सीधी लड़ाई होती है तो पाकिस्तान को बार बार मुंह की खानी पड़ती है। इसलिए पाकिस्तान ने आतंकवाद को भारत के खिलाफ लड़ाई का हथियार बनाया है। मोदी ने 2019 के बालाकोट हवाई हमले के बाद राजस्थान के चूरू में अपनी सार्वजनिक रैली को याद किया और कहा कि उन्होंने तब कहा था, सौगंध मुझे इस मिट्टी की, मैं देश नहीं मिटने दूंगा, मैं देश नहीं झुकने दूंगा।'

उन्होंने कहा, आज राजस्थान की धरती से मैं देशवासियों से कहता हूं जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें मिट्टी में मिलाया है। जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, आज (उन्होंने) कतरे कतरे का हिसाब चुकाया है। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे आज मलबे के ढेर में दबे हुए हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा,यह शोध प्रतिशोध का खेल नहीं, ये न्याय का नया स्वरूप है। यह 'ऑपरेशन सिंदूर' है। ये सिर्फ आक्रोश नहीं है ये समर्थ भारत का रौद्र रूप है। ये भारत का नया स्वरूप है।

साल 2016 की 'सर्जिकल स्ट्राइक' और बालाकोट 'एयर स्ट्राइक' का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि भारत ने पहले घर में घुसकर किया था वार, अब सीधा सीने पर किया प्रहार है। उन्होंने कहा,पिछले कई दशकों से यही चला आ रहा था। पाकिस्तान आतंक फैलाता था, निर्दोष लोगों की हत्याएं करता था, भारत में डर का माहौल बनाता था, लेकिन पाकिस्तान एक बात भूल गया, अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है।

उन्होंने कहा पाकिस्तान के साथ न व्यापार होगा न वार्ता। बात होगी तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की। मोदी ने कहा, अगर पाकिस्तान ने आतंकियों को एक्सपोर्ट (निर्यात) करना जारी रखा, तो उसको पाई–पाई के लिए मोहताज होना होगा। पाकिस्तान को भारत के हक का पानी नहीं मिलेगा, भारतीयों के खून से खेलना, पाकिस्तान को अब महंगा पड़ेगा।'

मोदी ने कहा, ये भारत का संकल्प है, और दुनिया की कोई ताकत हमें इस संकल्प से डिगा नहीं सकती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए सुरक्षा और समृद्धि, दोनों ज़रूरी है। उन्होंने कहा, ये तभी संभव है, जब भारत का कोना–कोना मजबूत होगा। मोदी ने कहा, पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए हमारे देश के सात अलग–अलग प्रतिनिधिमंडल विश्वभर में पहुंच रहे हैं।... अब पाकिस्तान का असली चेहरा पूरी दुनिया को दिखाया जाएगा। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया।

भारत ने पहलगाम हमले के बाद छह–सात मई की रात को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए, जिसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। भारतीय पक्ष ने पाकिस्तान की इन करतूतों का माकूल जवाब दिया। दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच वार्ता के बाद 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

मोदी का नाल एयरफोर्स स्टेशन पर किया स्वागत

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक दिवसीय बीकानेर यात्रा के तहत गुरुवार को नाल एयरफोर्स स्टेशन पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। मोदी ने राजस्थान में बीकानेर की धरा से राष्ट्र को 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण की सौगात देने के साथ ही अमृत स्टेशन योजना के तहत देश के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, एओसी नाल एयरफोर्स स्टेशन एयर कोमोडोर अमित कुमार बुद्धवार(विशिष्ट सेवा मेडल), सांसद सीपी जोशी, राज्य किसान आयोग अध्यक्ष सी आर चौधरी, पूर्व सांसद निहालचंद मेघवाल, श्रीमती ज्योति मिर्धा, पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, अरूण चतुर्वेदी, पूर्व विधायक अशोक परनामी, अभिषेक मटोरिया सहित अर्जुन पुरस्कार विजेता देवेन्द्र झाझडिया सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मोदी ने करणी माता मंदिर में पूजा-अर्चना की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बीकानेर जिले में करणी माता मंदिर में देवी के दर्शन किए। मोदी बीकानेर हवाई अड्डे पर पहुंचे और देशनोक स्थित मंदिर की ओर रवाना हुए। उनके साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और अन्य लोग भी थे।

गत ग्यारह साल में 34 हजार किलोमीटर लंबी रेल पटरियां बनी : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। रेल मंत्री मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि गत 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेलवे के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है और इस दौरान 34 हजार किलोमीटर लंबी रेल पटरियां बनी हैं, जो जर्मनी के कुल रेल नेटवर्क से भी बड़ा है। वैष्णव गुरुवार को यहां मोदी की जनसभा में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दौरान 47 हजार किलोमीटर लंबी रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश में छोटे और मध्यम दर्जे के रेलवे स्टेशनों के विकास पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कुछ समय पहले देश में एक साथ 1062 रेलवे स्टेशनों के विकास की नींव रखी थी।

आज इनमें से 103 स्टेशनों का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि अगले 100 स्टेशन भी आठ महीनों में बनकर तैयार हो जाएंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय कानून एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बीकानेर की धरती पर प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के बाद उनका दौरा प्रदेशवासियों के हौसलों की बुलंदी और विश्वास को मजबूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जो मां करणी के मंदिर में दर्शन करने आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रिफॉर्म, परफॉर्म एवं ट्रांसफॉर्म के मंत्र से एमएमडीआर एक्ट का संशोधन हुआ, जिससे यहां पोटाश का उत्खनन संभव हुआ एवं फर्टिलाइजर कारखाने लगने की संभावना बढ़ी।

प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम मंत्रालय ने भी उत्खनन का कार्य हाथ में लिया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही इस क्षेत्र में कोल गैसिफिकेशन के माध्यम से विकास का नया मार्ग भी खुलने जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री मोदी का साफा पहनाकर और प्रतीक चिह्न स्वरूप चरखा भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डा प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, राज्य सरकार के मंत्री, सांसद एवं विधायक और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे। कार्यक्रम से विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल एवं जनप्रतिनिधियों सहित 18 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों से भी लोग ऑनलाइन जुड़े।

राजगढ़ रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य का लोकार्पण

अलवर। रेलवे की अमृत भारत योजना के तहत अलवर के राजगढ़ रेलवे स्टेशन पर हुए पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बीकानेर से वर्चुअली उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं मंडल रेल प्रबंधक विकास पुरवर सहित रेलवे के आला–अधिकारी इस दौरान मौजूद रहे। कार्यक्रम में यादव ने शहीदों की वीरांगनाओं एवं परिजनों को सम्मानित किया। यादव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में एक आधुनिक और संकल्पित भारत आगे बढ़ रहा है, जो देश में किसी भी आतंकवाद हमला होगा, तो उसका माकूल जवाब देना जानता है। यादव ने कहा, हमारी यह धरती वीरों की धरती है।

सेप्टिक टैंक में दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बीकानेर के करणी औद्योगिक क्षेत्र में एक ऊन मिल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय तीन मजदूरों की संदिग्ध रूप से दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सागर, अनिल और गणेश करणी के रूप में हुई है और ये सभी शिवबाड़ी के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि उन्हें मिल में धागा प्रसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले रसायन युक्त अपशिष्ट जल से भरे टैंक की सफाई के लिए बुलाया गया था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, सबसे पहले एक मजदूर टैंक में उतरा। जब उसने काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो दो अन्य भी टैंक में उतरे। तीनों जहरीली गैस की चपेट में आ गए और बेहोश हो गए। उनके मुताबिक, अन्य कर्मचारियों ने उन्हें बाहर निकाला और पीबीएम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच से पता चलता है कि टैंक में कार्बन डाइऑक्साइड या दूसरी खतरनाक गैस थी।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस घटना का जिक्र करते हुए 'एक्स' पर लिखा,' ये हादसा नहीं, संस्थागत हत्या है। उम्मीद थी कि आप (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) मृतक मजदूरों के परिवारजनों के प्रति संवेदना में दो शब्द कहेंगे लेकिन न तो आपने संवेदना जताई और न ही राज्य की भाजपा सरकार ने इसकी जिम्मेदारी ली।' प्रधानमंत्री मोदी आज एक जनसभा को संबोधित करने के लिए बीकानेर में थे। डोटासरा ने लिखा,सरकार को इस घटना की जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए एवं मृतकों के परिवारजनों को उचित मुआवजा देना चाहिए।

रीको ने औद्योगिक क्षेत्र विश्वकर्मा एवं विश्वकर्मा-विस्तार, जयपुर के विकास के लिए 45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए : राठौड़

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ रीको औद्योगिक क्षेत्रों के आधारभूत ढांचे के विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जानकारी दी कि जयपुर स्थित औद्योगिक क्षेत्र विश्वकर्मा एवं विश्वकर्मा–विस्तार में उद्यमियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको द्वारा लगभग 45 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से सड़कों के निर्माण और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास में किया जा रहा है। रीको द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में विश्वकर्मा एवं विश्वकर्मा–विस्तार औद्योगिक क्षेत्रों के लिए लगभग 28 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई, जिसमें से लगभग 17 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। इन कार्यों में डामरीकरण, सीमेंट कंक्रीट सड़कों का निर्माण, नालियों का उन्नयन और ओवरहेड पावर लाइन को भूमिगत केबल द्वारा स्थानांतरित करने जैसे कार्य शामिल हैं। इनमें से कई कार्य पूर्ण हो चुके हैं और शेष कार्य प्रगति पर हैं। वित्तीय वर्ष 2024–25 में विश्वकर्मा एवं विश्वकर्मा–विस्तार, जयपुर के लिए रीको ने कुल 2791.85 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की एवं 1726.20 लाख रुपये के कार्यादेश जारी किए। अब तक उक्त कार्यों में 423.82 लाख रुपये की राशि व्यय की जा चुकी है। उक्त स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत लगभग 14 किमी लंबाई में सड़क के डामरीकरण / सीमेंट कंक्रीट सड़कों का निर्माण कार्य, 13,500 वर्ग मीटर में पेव्ड शोल्डर निर्माण, 2 किमी में नालियों का उन्नयन तथा 3.50 किमी लंबाई में ओवरहेड विद्युत लाइनों को भूमिगत केबल के माध्यम से स्थानांतरित करने का कार्य सम्मिलित है। इनमें से अधिकांश कार्य संपन्न हो चुके हैं एवं शेष कार्य तीव्र गति से करवाए जा रहे हैं।

औद्योगिक क्षेत्र विश्वकर्मा एवं विश्वकर्मा–विस्तार में वित्तीय वर्ष 2025–26 में कुल रुपये 1700.55 लाख की लागत से 7.25 किमी सड़कों का व्हाइट टॉपिंग सीमेंट कंक्रीट पेवमेंट द्वारा उन्नयन तथा 3.20 किमी नालियों का आरसीसी बॉक्स टाइप संरचना द्वारा उन्नयन किया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही क्षेत्र में सुगम यातायात सुनिश्चित करने हेतु मुख्य चौराहों पर ओवरहेड विद्युत लाइनों को भूमिगत किया जा रहा है।

भाजपा सरकार में सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे को लेकर केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला। अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि पीएम के दौरे के लिए पूरी सरकारी मशीनरी को झोंक दिया जाता है, लेकिन जनता की बुनियादी समस्याओं जैसे पीने के पानी और बिजली की किल्लत की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता।

उन्होंने कहा कि गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जैसे इलाकों में, जहां पीएम मोदी का दौरा प्रस्तावित है, लोगों को गंदा पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। गहलोत ने सवाल उठाया कि सरकार और अधिकारी केवल पीएम की यात्रा को सफल दिखाने में लगे हैं, जबकि जनता की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे। अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को इनका जवाब देना चाहिए। उन्होंने पूछा कि सरकार राहुल गांधी के सवालों को क्यों दबा रही है। विशेष रूप से राहुल गांधी ने पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर सवाल उठाया था कि क्या आतंकी जिंदा हैं या मारे

गए, लेकिन सरकार इस पर चुप्पी साधे हुए है। विपक्ष सरकार के साथ है और कार्रवाई की मांग करता है, लेकिन सरकार जवाब देने से बच रही है। विपक्ष का काम सवाल उठाना है और सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इन सवालों का जवाब दे। अगर विपक्ष जनता के मुद्दों को नहीं उठाएगा, तो जनता उनसे सवाल करेगी कि उन्होंने विपक्ष के तौर पर क्या किया।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कश्मीर मुद्दे पर बयान को भी गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा कि ट्रंप का कश्मीर मुद्दा सुलझाने का दावा गलत है, क्योंकि यह भारत और पाकिस्तान के बीच शिमला समझौते का मसला है। गहलोत ने केंद्र सरकार से इस पर स्पष्ट रुख अपनाने की मांग की। अशोक गहलोत ने भाजपा पर सरकारी धन के दुरुपयोग का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग बढ़ गया है। उन्होंने जोधपुर में तिरंगा यात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि इसके लिए सरकारी मशीनरी, एनसीसी और स्काउट्स के बच्चों को शामिल किया गया।

गहलोत ने सवाल उठाया कि भाजपा अपने पार्टी मंच से ऐसे आयोजन क्यों नहीं करती? उन्होंने इसे सरकारी धन का दुरुपयोग करार दिया और यह स्पष्ट करने की मांग की कि क्या पीएम का दौरा सरकारी है या राजनीतिक। सरकार को जनता की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, न कि केवल पीएम की यात्रा को चमकाने में संसाधन खर्च करने चाहिए।

उप्र में आंधी-तूफान से जुड़ी घटनाओं में 15 की मौत, योगी का राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में बुधवार/बृहस्पतिवार की दरम्यानी रात तेज आंधी और बारिश के कारण पेड़ उखड़ने तथा दीवार और खम्बे गिरने की घटनाओं में एक सिपाही समेत कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी तथा अनेक अन्य जख्मी हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश और ओलावृष्टि के मद्देनजर सम्बन्धित जिलों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, एटा में आंधी-तूफान के कारण हुई दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई तथा 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तूफान के कारण कई इमारतें भी ढह गईं। इस बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत सम्बन्धित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार के एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नज़र रखें। उन्होंने कहा कि आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें व घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिये कि अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस सम्बन्ध में आगे की कार्यवाही की जा सके।

बिहार में चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश के दौरान वायुसेना के एक कर्मी की मौत

खगड़िया (बिहार)/भाषा। बिहार के खगड़िया जिले में बृहस्पतिवार को चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश करते समय वायुसेना के 27-वर्षीय एक जवान की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), खगड़िया के थाना प्रभारी धनंजय कुमार के मुताबिक, मृतक कुणाल कुमार जिले के खटहा नगर परिषद क्षेत्र के निवासी थे। थाना प्रभारी ने कहा, ''वह बागडोगरा में तैनात थे। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष समाप्त होने के बाद उन्होंने अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताने के लिए छुट्टी मांगी थी। सात महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी।'' पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुणाल कुमार घर पहुंचने के लिए गुवाहाटी-जम्मू तवी एक्सप्रेस में सवार हुए थे और उन्होंने अपने घर के सबसे नजदीकी स्टेशन गौछारी पर ट्रेन की गति धीमी होने के बाद उतरने की कोशिश की, हालांकि उसका वहां ठहराव नहीं था।

उन्होंने बताया कि मौके पर ही कुणाल कुमार की मौत हो गयी और शव पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। थाना प्रभारी के अनुसार इस घटना के बारे में कुणाल कुमार के परिवार के सदस्यों को सूचना दे दी गयी है।

लंबी पूंछ वाली रेगिस्तानी छिपकली को 150 वर्षों के बाद मिला आधिकारिक नाम

कोलकाता/भाषा। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) के वैज्ञानिकों ने हाल में लंबी पूंछ वाली फारसी रेगिस्तानी छिपकली (मेसलीना वाटसोनाना) को 150 से अधिक वर्षों के बाद आधिकारिक नाम दिया है।

इस नामकरण के साथ ही दुनिया भर के संग्रहालयों में इस प्रजाति के अलग-अलग नमूनों की मौजूदगी के कारण इसकी खोज के बाद से 153 वर्षों तक बनी रही भ्रांति को अब दूर कर लिया गया है। इस छिपकली की खोज वैज्ञानिक फर्डिनेंड स्टोलिज्का ने 1872 में की थी, लेकिन उनके द्वारा एकत्र किए गए विभिन्न नमूने कोलकाता, लंदन और वियना के संग्रहालयों में मौजूद हैं।

इससे यह भ्रम पैदा हो गया कि किस विशिष्ट प्रजाति को आधिकारिक तौर पर लेक्टोटाइप कहा जाए या सभी नमूनों (स्पेसीमेन) का प्रतिनिधित्व करने वाला एकमात्र नमूना कहा जाए।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के एक प्रवक्ता के मुताबिक जेडएसआई के वैज्ञानिक सुमिध रे और डॉ. प्रत्यूष पी. महापात्रा ने पुराने अभिलेखों का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया और प्रजातियों के नामकरण के नियमों का पालन करते हुए कोलकाता की प्रजाति को 'मेसलीना वाटसोनाना' के निर्णायक उदाहरण के रूप में चुना।

जेडएसआई की निदेशक धृति बनर्जी ने कहा कि इस नए आधिकारिक नाम से भविष्य में इसी प्रकार की रेगिस्तानी छिपकलियों पर शोध करना बहुत आसान हो जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड में तीन पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को झारखंड में गोविंदपुर रोड, राजमहल और शंकरपुर रेलवे स्टेशन का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। करीब 21 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पुनर्विकसित ये तीन स्टेशन देश भर के उन 103 अमृत भारत स्टेशन में शामिल हैं जिनका मोदी ने डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया।

एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची डिवीजन अंतर्गत हटिया-राउरकेला खंड पर स्थित गोविंदपुर रोड रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास लगभग 6.65 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। साहेबगंज जिले के राजमहल स्टेशन और देवघर जिले के शंकरपुर स्टेशन का करीब 15 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकास किया गया है।

खूंटी जिले के गोविंदपुर रोड रेलवे स्टेशन पर आयोजित उद्घाटन समारोह में राज्य के भूमि एवं राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की नींव 26 फरवरी, 2024 को रखी गई थी। बयान में कहा गया कि स्टेशन में पहले केवल बुनियादी सुविधाएं थीं लेकिन अब यह एक आधुनिक, सभी सुविधाओं से सुसज्जित और पर्यावरण अनुकूल स्टेशन में बदल गया है। इसमें कहा गया, ''स्टेशन में अब एक नई इमारत, विशाल प्रतीक्षा क्षेत्र, कम्प्यूटरीकृत टिकट काउंटर, ऊंचे प्लेटफॉर्म, विस्तारित प्लेटफॉर्म शेड, एक आधुनिक फुटओवर-ब्रिज, लिफ्ट, रैंप, एलईडी लाइट, विशेष रूप से डिजाइन किए गए रैंप और दिव्यांग यात्रियों के लिए स्पर्श पथ, स्वच्छ पेयजल सुविधाएं, विकसित पार्किंग क्षेत्र और चौड़ी सड़कें हैं।'' इसके अलावा स्टेशन परिसर को स्थानीय कला और सांस्कृतिक कृतियों से सजाया गया है। राजमहल और शंकरपुर स्टेशन में परिभ्रमण क्षेत्र, हरित क्षेत्र, भूदृश्य तत्व, आधुनिक शौचालय सुविधाएं, चौड़े प्लेटफार्म, विस्तारित प्लेटफार्म शेड और पीडब्ल्यूडी अनुकूल बुनियादी ढांचे जैसे रैंप और सुलभ शौचालय विकसित किए गए हैं।

ओडिशा का डेब्रिगढ़ वन्यजीव अभयारण्य भारत में सर्वश्रेष्ठ 'इकोटूरिज्म' स्थलः कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने ओडिशा के डेब्रिगढ़ वन्यजीव अभयारण्य की प्रशंसा करते हुए इसे 'इकोटूरिज्म' के लिहाज से ''देश में सबसे बेहतर स्थान'' बताया है। जी20 दुनिया के 20 प्रमुख विकसित और विकासशील देशों का एक अंतरराष्ट्रीय मंच है। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कांत ने बुधवार को डेब्रिगढ़ का दौरा किया था और वन्यजीव अभयारण्य के प्रबंधन में शामिल वन अधिकारी एवं वनकर्मियों से बात की।

कांत ने 'एक्स' पर लिखा, ''मैंने आज ओडिशा के डेब्रिगढ़ वन्यजीव अभयारण्य का दौरा किया और सामुदायिक भागीदारी के लिहाज से किए गए अद्भुत काम को देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। यह स्थानीय समुदाय द्वारा 'इकोटूरिज्म' परियोजना के संचालन और प्रबंधन का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है।'' इसके बाद उन्होंने संबलपुर में स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक की। संबलपुर में उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''मैंने संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) द्वारा किए गए शानदार काम को देखा। मैंने भारत भर में सभी 'इकोटूरिज्म' परियोजनाओं का दौरा किया है और इनमें डेब्रिगगढ़ सबसे अच्छी परियोजना है।'' उन्होंने कहा कि डेब्रिगढ़ 'इकोटूरिज्म' परियोजना की सबसे अच्छी बात इसमें स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी है।

अपने दौरे पर कांत ने डेब्रिगढ़ 'इकोटूरिज्म' परियोजना के समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत की और वन्यजीव अभयारण्य में इस 'मॉडल' के कामकाज की सराहना की। वनों पर निर्भर लगभग 85 परिवार विभिन्न 'इकोटूरिज्म' गतिविधियों से अपनी आजीविका चला रहे हैं।

नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ की फिराक में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिक, सीमा पर 'हाई अलर्ट'

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले में 30 से अधिक पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा हिंदुस्तान में घुसपैठ करने के प्रयास की खुफिया रिपोर्ट के बाद भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बलों को 'हाई अलर्ट' पर रखा गया है। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच संदिग्ध घुसपैठियों के नेपाल पहुंचने की आशंका है।

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 42वीं वाहिनी के सेनानायक गंगा सिंह उदावत ने संवाददाताओं से कहा, ''एसएसबी उच्च मुख्यालय से प्राप्त विशेष सूचना के मुताबिक, 35 से 37 बांग्लादेशी और पाकिस्तानी नागरिक अपने-अपने देशों से सीमा पार कर नेपाल आ गए हैं।'' अब वे भारत और नेपाल की खुली सीमा के रास्ते नेपाल से भारत में घुसपैठ करने की कोशिश करेंगे और हम उन्हें पकड़कर कानून के हवाले करने के लिए तैयार हैं।'' कमांडेंट उदावत ने इस बात पर जोर दिया कि एसएसबी ऐसी किसी भी कोशिश का मुकाबला करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल में हम उन अवांछित लोगों को पकड़ने के लिए चौबीसों घंटे तैयार हैं, ताकि वे खुली सीमा का फायदा उठाकर भारत में प्रवेश न कर सकें। इन खतरों का मुकाबला करने के लिए एसएसबी ने गश्त तेज कर दी है।''

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने 1.15 लाख करोड़ रुपए की औद्योगिक परियोजनाओं का किया उद्घाटन, शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जाजपुर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कुल 1,15,000 करोड़ रुपए के निवेश वाली 24 औद्योगिक परियोजनाओं का बृहस्पतिवार को उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इससे 36,000 लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

मुख्यमंत्री ने यहां एक समारोह में चार परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिसमें कलिंग नगर औद्योगिक केंद्र में टाटा स्टील लिमिटेड के 50 लाख टन सालाना क्षमता का एकीकृत स्टील प्लांट (आईएसपी) का विस्तार शामिल है। इस पर 47,599 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इस परियोजना से 4,625 नौकरियों सृजित होने का अनुमान है। अन्य परियोजनाओं में जेएसएल समूह का पेट्रोलियम एवं सौर ऊर्जा उद्यम (470 करोड़ रुपए) शामिल हैं।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने 20 अन्य औद्योगिक परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का 61,769 करोड़ रुपए के निवेश से इस्पात संयंत्र का विस्तार भी शामिल है। एक अधिकारी ने बताया कि यह इकाई क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात विनिर्माण इकाई बनने के लिए तैयार है और इससे प्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के 14,000 अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' में विधवा महिलाओं को शामिल करने के निर्देश : ओडिशा के मुख्यमंत्री

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' (एमएमकेवीवाई) के तहत विधवा महिलाओं को शामिल करने का निर्देश दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने यह निर्देश बुधवार को यहां आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब, असहाय और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों के विवाह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत सामूहिक विवाह आयोजित किए जाएंगे और नवविवाहितों को उपहार भी दिए जाएंगे। राज्य सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इस योजना के लिए 12 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। बजट प्रस्तुत करते समय मुख्यमंत्री माझी ने कहा था, बेटी बोझ नहीं, वरदान है। हमें उनके सपनों को साकार करने के लिए उन्हें सम्मान देना चाहिए और उन्हें सशक्त बनाना चाहिए। उन्होंने कहा था, उड़िया परंपरा और रीति-रिवाजों के अनुरूप शादियां आज के समय में काफी खर्चीली हो गई हैं। कई बार गरीब परिवार अपनी बेटियों का विवाह कराने में असमर्थ हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, इसी उद्देश्य से मैं 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' की घोषणा करता हूं। इसके तहत सामूहिक विवाह कराए जाएंगे, जिनका पूरा खर्च सरकार वहन करेगी और दुल्हन को उपहार भी प्रदान किया जाएगा। इससे पहले राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग और सामाजिक सुरक्षा एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माध्यम से अंतरजातीय विवाहों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही थी। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को शीघ्र प्रक्रिया पूरी कर योजना को जल्द शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

राम मंदिर के निर्माण में पेशेवर जीवन की 'सबसे खास' भूमिका निभाई : नृपेंद्र मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के लिए अयोध्या में भव्य मंदिर के निर्माण से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करना उनके करियर का सबसे विशेष कार्य था। मिश्रा का मानना है कि इस काम के लिए खुद ईश्वर ने उन्हें नियुक्त किया था।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र और राजनीति विज्ञान तथा हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जॉन एफ कैनेडी स्कूल से लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर मिश्रा 1967 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी हैं। मुलायम सिंह के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने के दौरान मिश्रा ने उनके प्रधान सचिव के रूप में काम किया था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने (मिश्रा) उनके (मोदी के) प्रधान सचिव के रूप में सेवाएं दी थीं। वह ट्राई के प्रमुख भी रह चुके हैं। मिश्रा ने कहा कि राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष का पद कोई ऐसा पद नहीं था, जिसकी प्रकृति के बारे में पहले से कुछ ज्ञात था। उन्होंने कहा, एक लोक सेवक के रूप में हमारे लिए कोई भी काम पसंदीदा, कम पसंदीदा या ज्यादा पसंदीदा नहीं होता, क्योंकि यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि उस समय की सरकार हमें क्या काम सौंपती है। हालांकि, अन्य सभी पदों की प्रकृति किसी न किसी रूप में पहले से ही परिभाषित थी, क्योंकि वे पद अस्तित्व में थे और उनके बारे में जानकारी थी।

'बांग्लादेशी घुसपैठ' झारखंड की जनसांख्यिकी बदल रही हैः विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राज्य में बड़े पैमाने पर 'बांग्लादेशी घुसपैठ' जारी है, जिससे जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर राज्य में बांग्लादेशियों की घुसपैठ को रोकने के लिए कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया।

मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार इस तथ्य को स्वीकार करने को तैयार नहीं है और इस संबंध में कोई कदम नहीं उठा रही है, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल ही में राज्य सरकारों को हमारी भूमि पर अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की जांच करने और उन्हें वापस भेजने के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेशी घुसपैठिए न केवल हमारी जमीन पर दाखिल हो रहे हैं, बल्कि फर्जी दस्तावेज के आधार पर मंईयां सम्मान योजना समेत राज्य सरकार के सभी लाभ भी ले रहे हैं। मरांडी ने दावा किया कि झारखंड में 1951 और 2011 के बीच आदिवासियों एवं सनातनी हिंदुओं की संख्या घट गयी है। उन्होंने दावा किया कि 1951 की जनगणना में आदिवासी और सनातनी की जनसंख्या 35.38 प्रतिशत और 87.79 प्रतिशत दर्ज की गई थी, लेकिन 2011 की जनगणना में यह आंकड़ा घटकर क्रमशः 26.20 प्रतिशत और 81.70 प्रतिशत रह गयी है जबकि मुसलमानों की जनसंख्या 1951 की जनगणना के 8.9 से 2011 में बढ़कर 14.53 प्रतिशत हो गई है।

फिल्मों के खोखले संवाद न बोलें, ट्रंप के दावे का संसद में जवाब दें प्रधानमंत्रीः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयान को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''फिल्मों जैसे खोखले संवाद'' बोलने के बजाय संसद का विशेष सत्र बुलाकर सदन के पटल पर स्पष्टीकरण देना चाहिए तथा सभी दलों के नेताओं से भी बातचीत करनी चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों को विभिन्न देशों के दौरे पर भेजना 'दिखावे की निरर्थक कवायद' है और फिलहाल यह जरूरी है कि पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोके जाने से जुड़े सवालों का सरकार जवाब दे तथा संसद से एक सामूहिक संकल्प दुनिया के सामने रखा जाए। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक फ़िर यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव को व्यापार समझौते के जरिए सुलझाया है। उन्होंने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान यह दावा किया।

खिलाड़ियों के साथ आशीष नेहरा का संवाद शानदार : गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मौजूदा आईपीएल में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय बृहस्पतिवार को मुख्य कोच आशीष नेहरा के खिलाड़ियों के साथ 'शानदार संवाद' को दिया और कहा कि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज को पता था कि टीम को कैसे तैयार करना है।

आईपीएल 2022 में पदार्पण करते हुए खिताब जीतने वाली गुजरात की टीम मौजूदा सत्र में 12 मैच में नौ जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। 'जियो हॉटस्टार' के साथ बातचीत के दौरान गिल ने टीम की पहचान बनाने और गेंदबाजी इकाई को सशक्त बनाने का श्रेय पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज नेहरा को दिया। गिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि जब गुजरात टाइटंस पहले साल में खेल रही थी तब आशीष नेहरा के पास एक स्पष्ट दृष्टिकोण था - वह जानते थे कि वह टीम को कैसे तैयार करना चाहते हैं और खिलाड़ियों की भूमिकाएं कैसे परिभाषित करना चाहते हैं। मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह खिलाड़ियों के साथ उनका संवाद बेहतरीन रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हमेशा ऐसे विभाग होते हैं जिनमें सुधार किया जा सकता है। और जिस तरह से वह खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से काम करते हैं - विशेषकर गेंदबाजों के साथ - वह सबसे अलग है।'' गिल ने कहा, ''कई लोगों का मानना है कि आईपीएल बल्लेबाजों के दम पर जीता जाता है लेकिन हमारी विचारधारा अलग है। अगर आप स्कोर का बचाव नहीं कर सकते तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने रन बनाते हैं। जिस तरह से वह गेंदबाजी इकाई का मार्गदर्शन करते हैं वह हमारे लिए एक बड़ी ताकत रही है।'' गिल ने बताया कि साथी सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के साथ उनकी साझेदारी इतनी प्रभावी क्यों है। इस आईपीएल में सलामी जोड़ी के तौर पर सुदर्शन और गिल ने 76.27 के औसत से 839 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतकीय साझेदारियां और चार 50 रन से अधिक की साझेदारी शामिल हैं।

गिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि जिस तरह से हम बल्लेबाजी करते हैं वह बिल्कुल भी समान नहीं है, लेकिन बाएं-दाएं संयोजन से मदद मिलती है। हम दोनों विकेटों के बीच बहुत अच्छी तरह से दौड़ते हैं और हम ऐसे खिलाड़ी हैं जो गेंदबाजों सहित प्रतिद्वंद्वी को मात देना पसंद करते हैं।''

नीरज चोपड़ा के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता : अरशद नदीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

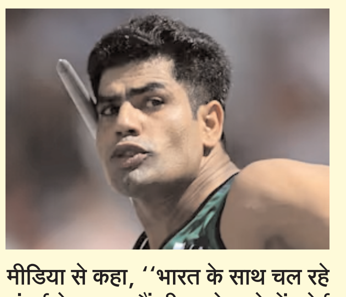

लाहौर/भाषा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के नीरज चोपड़ा पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। चोपड़ा को हाल में स्थगित हुए एनसी क्लासिक टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान के इस एथलीट को आमंत्रित करने पर ट्रोल किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। नीरज ने पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट को इस हमले से पहले प्रतियोगिता के लिए निमंत्रण दिया था। लेकिन उनकी सोशल मीडिया पर फिर भी काफी आलोचना की गई। नदीम ने यहां मीडिया से कहा, ''भारत के साथ चल रहे संघर्ष के कारण मैं नीरज के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं एक गांव से हूं और मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि मैं और मेरा परिवार हमेशा अपनी सेना के साथ खड़ा रहेगा।'' चोपड़ा 2024 पेरिस ओलंपिक में नदीम के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने 15 मई को डायमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण से पहले कहा था कि वह और नदीम कभी भी करीबी दोस्त नहीं थे।

एनसी क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता का नाम इस भारतीय स्टार के नाम पर रखा गया है जिसे 24 मई को बेंगलूरु में कराया जाना था लेकिन पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष के मद्देनजर इसे स्थगित कर दिया गया था।

नदीम ने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि मैं हमेशा खुद से प्रतिस्पर्धा करता हूं और मेरा लक्ष्य एक दिन 100 मीटर का आंकड़ा छूना है।'' उन्होंने कहा कि अगर चोपड़ा अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो ''यह उनके लिए अच्छा है।'' चोपड़ा ने हाल में डायमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण में 90.23 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो से 90 मीटर का आंकड़ा पार किया और रजत पदक जीता।

सुविचार

सच्ची सफलता, सच्ची खुशी का महान रहस्य यह है: वह पुरुष या महिला जो बदले में कुछ भी नहीं मांगता है, पूरी तरह से नि:स्वार्थ व्यक्ति, सबसे सफल है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंध का आक्रोश

भारत द्वारा सिंधु जल संधि स्थगित किए जाने के बाद पाकिस्तान से 'रुझान' आने शुरू हो गए हैं। सिंध में प्रदर्शनकारियों ने गृह मंत्री जियाउल हसन लंजार का घर ही फूंक दिया। यह तो शुरुआत है। भारत का 'जल अस्त्र' भविष्य में घातक मिसाइलों से भी ज्यादा असरदार साबित होगा। पाकिस्तान के पंजाबी हुक्मरान जानते हैं कि आज नहीं तो कल, नफरत की बुनियाद पर बना उनका मुल्क टूटेगा। इसलिए वे अपने सूबे के लिए सारे इंतजाम करना चाहते हैं। उन्होंने सिंध, बलोचिस्तान और केपीके की हमेशा उपेक्षा की है। वे सिंधु नदी पर नहर के निर्माण का मंसूबा इसलिए लेकर आए हैं, ताकि सिंध प्रांत के हक पर डाका डाल सकें। पाकिस्तान में सिंध और पंजाब का टकराव बहुत पुराना है। पंजाबी फौज और पंजाबी नेताओं की मनमानी के कारण सिंधुदेश की मांग भी उठती रही है। इस बार सिंध की जनता ने जैसा विरोध प्रदर्शन किया, वह उनके आक्रोश की मजबूत अभिव्यक्ति है। इस दौरान की गई नारेबाजी में भी सिंधुदेश की मांग का जिक्र हुआ था। इससे इस्लामाबाद और रावलपिंडी की नींदें उड़ी हुई हैं। अगर सिंध में आज़ादी की लहर जोर पकड़ती है तो पाक फौज के लिए उसे कुचलना बहुत मुश्किल हो जाएगा। सिंध की सीमा भारत के साथ लगती है। अगर भविष्य में पाकिस्तानी फौज द्वारा सिंधी जनता का बड़े स्तर पर दमन किया गया और लोगों की भीड़ मदद मांगने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आ गई (पूर्वी पाकिस्तान की तरह) तो भारत को हस्तक्षेप करना पड़ सकता है।

सिंध के विभिन्न इलाकों में रहने वाले लोग इन दिनों सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें आदि पोस्ट कर बता रहे हैं कि उनके यहां नदी में पानी बहुत कम रह गया है। कई जगह तो सूखे जैसी स्थिति पैदा हो गई है। वे यह बात समझ रहे हैं कि इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार जनरल आसिम मुनीर हैं। भारत ने कभी पानी बंद नहीं किया था। यहां तक कि युद्ध के दौरान भी सिंध का पानी बराबर बहता रहा। अब मोदी सरकार ने बहुत सख्त फैसला ले लिया है। पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते। भारत को इस फैसले पर कायम रहना होगा। यह एक ऐसा फैसला है, जो पाकिस्तान की पूरी अकड़ निकाल सकता है। सालभर में पाकिस्तान में खाद्यान्न, दलहन, सब्जियों, दूध, घी और अन्य चीजों की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिल सकता है। सिंधु को पाकिस्तान की 'जीवन रेखा' यूं ही नहीं कहा जाता है। इस पड़ोसी देश की हरकतों को नियंत्रित करने के लिए पिछली सरकारों को ऐसा फैसला लेना चाहिए था। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले ही गंभीर दबावों का सामना कर रही है। सिंधु का पानी रोक देने से यह कितने महीने टिक पाएगी? वहां पिछले एक महीने में ही महंगाई का भूचाल आ गया है। बाजारों से लेकर घरों तक इसका असर दिखना शुरू हो गया है। आटा, चावल, दूध, सब्जियों के भाव बढ़ गए हैं। जब धीरे-धीरे स्थिति विकराल रूप लेगी तो पाकिस्तान की ओर से धमकियां तेज होती जाएंगी। वह कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों को न्योता देकर उनके सामने 'विक्टिम कार्ड' खेलेगा। उसके नेता ऐसे संगठनों के मंचों पर भाषण देते हुए 'गुहार' लगाएंगे कि हमारा कर्ज माफ किया जाए और भारत पर दबाव डाला जाए। सोशल मीडिया पर झूठी तस्वीरें पोस्ट कर हमदर्दी हासिल करने की कोशिशें की जाएंगी। दुष्प्रचार के नए-नए पैंतरे आजमाए जाएंगे। उस समय भारत सरकार और भारतवासियों को दृढ़ता दिखानी होगी। आतंकवाद के खिलाफ यह लड़ाई लंबी चलेगी, लेकिन इसके नतीजे ठोस निकलेंगे।

ट्वीटर टॉक

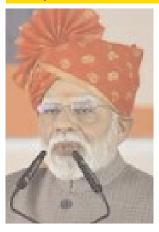

पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है। मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है, लेकिन मोदी का लहू गर्म होता है। अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है।

-नरेन्द्र मोदी

जय माँ करणी! आज बीकानेर जिले के देशनोक स्थित प्रसिद्ध करणी माता मंदिर में दर्शन कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली हेतु माँ के चरणों में प्रार्थना की।

-दीया कुमारी

बीकानेर में तीन मजदूरों की फैक्ट्री में बने सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से दर्दनाक मौत हो गई। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। यह हादसा घोर लापरवाही और असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

मृत्यु भय से मुक्ति

एक बार एक जिज्ञासु ने स्वामी विवेकानंद से प्रश्न किया, 'आदरणीय, मैं मृत्यु के भय से कैसे मुक्त हो सकता हूं?' स्वामी विवेकानंद ने शांत स्वर में उत्तर दिया, 'मृत्यु का भय इसलिए होता है क्योंकि हमें लगता है कि हम अपनी पहचान, अपनी संपत्ति, अपने आनंद और अपने प्रियजनों से कहीं दूर न हो जाएं, उन्हें खो न दें।' जिज्ञासु ने सहमति में सिर हिलाया, 'जी, आपने बिल्कुल सही कहा।' स्वामी विवेकानंद बोले, 'इस भय से मुक्त होने का उपाय यही है कि स्वयं को केवल यह शरीर न समझोखुद को आत्मा मानो। एकांत का अभ्यास करो। जीवन में अनासक्ति (किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति से आवश्यकता से अधिक जुड़ाव न होना) की आदत विकसित करो। धीरे-धीरे तुम अनुभव करने लगोगे कि मृत्यु अब भयावह नहीं लगती। तुम्हारा मन स्थिर रहेगा और मृत्यु की भावना मात्र भी तुम्हें विचलित नहीं कर पाएगी।'

सामयिक

कूटनीति के मंच पर लोकतंत्र की परीक्षा

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'
मोबाइल : 9955818270

भारत की लोकतांत्रिक संरचना और विविधतापूर्ण सामाजिक ताने-बाने ने उसे वैश्विक मंच पर एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है, जहाँ विभिन्न विचारधाराएँ, जातियाँ, धर्म और भाषाएँ एकजुट होकर सह-अस्तित्व की प्रेरणा देती हैं। लेकिन जब यह आंतरिक एकता राजनीतिक स्वार्थों और आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ने लगे, तब राष्ट्र की साख और उद्देश्य दोनों ही संकट में पड़ जाते हैं। हाल ही में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के जवाब में भारत सरकार द्वारा गठित सात प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य था- भारत की एकता, अनेकता में एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों का संदेश दुनिया भर में पहुँचाना। यह एक सशक्त कूटनीतिक प्रयास था, जो भारत की नैतिक और वैचारिक बढ़त को वैश्विक स्तर पर सिद्ध कर सकता था। किंतु, विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच उपजे विवाद ने इस प्रयास की गंभीरता को आंशिक रूप से क्षीण किया। कांग्रेस प्रतिनिधियों को लेकर उठे असंतोष ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या भारत विदेशी मंचों पर एक स्वर में अपनी बात कहने को तैयार है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने इन प्रतिनिधिमंडलों को गठित करके यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की है कि भारत न केवल सैन्य या कूटनीतिक स्तर पर दृढ़ है, बल्कि आंतरिक रूप से भी एकजुट और सामूहिक दृष्टिकोण रखने वाला देश है। इन प्रतिनिधिमंडलों में विभिन्न राजनीतिक दलों, धर्मों, जातियों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, जो भारत की उस समावेशी दृष्टि को प्रतिबिंबित करता है, जो उसके संविधान और राष्ट्रनिर्माण की मूल भावना में निहित है। यह प्रयास केवल राजनीतिक कूटनीति नहीं, बल्कि एक नैतिक सन्देश भी है, भारत विविधताओं के बीच एकता की मिसाल है, जो वैश्विक मंच पर आतंकवाद और धार्मिक कट्टरता के विरुद्ध एक स्थायी प्रतिरोध प्रस्तुत करता है।

इस प्रयास की पृष्ठभूमि में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की चुनौती स्पष्ट है। 22 अप्रैल, 2025 को हुए पहलगाम हमले और उससे कुछ सप्ताह पूर्व पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के विभाजनकारी बयान, जिन्होंने 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को दोहराया, इस बात का प्रमाण हैं कि पाकिस्तान अब भी उस पुरानी सोच से बंधा हुआ है, जो हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ रहने से इंकार करती है। इसके विपरीत, भारत का संविधान और उसका सामाजिक ढांचा इस विचार को सिरे से नकारते हैं और समावेशी समाज की परिकल्पना को पोषित करते हैं। ऐसे समय में जब पाकिस्तान अपने ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक ताने-बाने से जूझ रहा है, भारत का यह प्रतिनिधिमंडलीय प्रयास वैश्विक समुदाय के समक्ष यह बताने का एक सशक्त माध्यम हो सकता है कि विभाजनकारी राजनीति और आतंकवाद के विरुद्ध एक लोकतांत्रिक देश कैसे नैतिक बढ़त प्राप्त कर सकता है।

हालांकि इस प्रयास की सार्थकता तभी पूरी हो सकती थी जब यह राष्ट्रीय एकता के साथ-साथ राजनीतिक सौहार्द का भी परिचायक बनता। दुर्भाग्यवश, इन प्रतिनिधिमंडलों के गठन को लेकर जिस प्रकार का विवाद उत्पन्न हुआ, विशेषकर कांग्रेस प्रतिनिधियों को लेकर, वह भारत के इस प्रयास को आंतरिक रूप से क्षीण करता है। भाजपा नेताओं द्वारा विपक्षी नेताओं को राष्ट्रविरोधी' ठहराने वाली टिप्पणियां, तथा कांग्रेस की ओर से प्रतिनिधित्व पर आपत्ति, दोनों ही पक्षों के लिए आत्मावलोकन का विषय हैं। यदि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी को यह भरोसा न हो कि उसकी भागीदारी देशहित के एक महत्वपूर्ण प्रयास में निहित है, तो यह न केवल लोकतांत्रिक सहमति की विफलता है बल्कि विदेश नीति जैसे गंभीर विषयों में राजनीतिक चूक भी।

यहां यह समझना आवश्यक है कि इन प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य केवल भारत की छवि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि यह भी है कि दुनिया को यह बताया जाए कि भारत आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, और यह एकता केवल सरकार द्वारा नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक परिदृश्य द्वारा पोषित है। इस लिहाज से, कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और पूर्व राजनयिक शशि थरूर जैसे नेता की नामांकन को लेकर आपत्ति करना कहीं से भी उचित प्रतीत नहीं होता। थरूर न केवल एक अनुभवी राजनयिक रहे हैं, बल्कि वैश्विक मंचों पर भारत की छवि को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने की योग्यता रखते हैं। ऐसे में उनके नामांकन को राजनीतिक विवाद का विषय बनाना न केवल उन्हें अपमानित करता है, बल्कि भारत के उस समग्र प्रयास को भी कमजोर करता है जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत के पक्ष में करना है।

यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि कई वैश्विक नेताओं ने पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों को एक ही तराजू पर तौला, जो एक गहरी चिंता का विषय है। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत की नैतिक स्थिति और उसका लोकतांत्रिक चरित्र अभी भी विश्व समुदाय के एक हिस्से द्वारा पूरी तरह नहीं समझा गया है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि भारत अपनी विदेश नीति को केवल सरकार की नीति न रखे, बल्कि उसे संपूर्ण राष्ट्र का साझा दृष्टिकोण बनाए। यह तभी संभव है जब विपक्ष और सत्तापक्ष मिलकर एक स्वर में भारत की बात करें।

भारत की विदेश नीति के संदर्भ में यह भी ध्यान देने योग्य है कि लंबे समय तक देश ने गुटनिरपेक्षता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और नैतिक कूटनीति जैसे सिद्धांतों को अपनाया है। आज जब दुनिया फिर से ध्रुवीकृत हो रही है, और भारत एक वैश्विक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि उसकी नीति केवल रक्षा या सुरक्षा तक सीमित न हो, बल्कि संस्कृति, लोकतंत्र और सामाजिक समरसता का भी प्रचार करे। प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से यह संदेश दुनिया तक पहुंचाया जा सकता है, बशर्ते इस प्रक्रिया में समावेशिता और राजनीतिक परिपक्वता बनी रहे।

राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का आवश्यक अंग हैं, किंतु जब राष्ट्रीय हित दांव पर हो, तब राजनीतिक परिपक्वता अपेक्षित होती है। वर्तमान विवाद यही दिखाता है कि भारत में अभी भी इस परिपक्वता की कमी है। भाजपा को चाहिए कि वह विपक्ष को समान दृष्टि से देखे और राष्ट्रहित के मुद्दों पर सहयोग की भावना से आगे बढ़े। वहीं कांग्रेस को भी इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखने की बजाय उसे राष्ट्रीय दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता है।

अब यह स्पष्ट है कि प्रतिनिधिमंडलों का यह प्रयास न केवल एक कूटनीतिक आवश्यकता है, बल्कि एक नैतिक और वैचारिक युद्ध भी है, आतंकवाद बनाम बहुलतावाद, कट्टरता बनाम सह-अस्तित्व। भारत यदि इस युद्ध में नैतिक रूप से विजयी होना चाहता है, तो उसे अपने आंतरिक मतभेदों को परे रखकर, एक सम्मिलित और सशक्त स्वर में दुनिया से संवाद करना होगा। ऐसा संवाद तभी संभव है जब राजनीतिक दलों के बीच न्यूनतम सहमति और अधिकतम उद्देश्यबद्धता हो। इस प्रकरण से एक और सीख मिलती है, राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि विदेश नीति केवल सत्ता पक्ष की नहीं होती, वह पूरे देश की होती है। उसे निजी प्रतिद्वंद्विता का क्षेत्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का मंच बनाना होगा। जब भारत का कोई प्रतिनिधि विदेश में भारत की बात करता है, तो वह भाजपा, कांग्रेस या किसी अन्य दल की नहीं, भारत की बात करता है। इस सत्य को जितनी जल्दी स्वीकार किया जाएगा, भारत का वैश्विक कद उतनी ही तेजी से बढ़ेगा।

रोचक

1000 साल पुराने 'समाधि वाले बाबा' के कंकाल को मिला घर

गुजरात में 15 मई को पांच घंटे की कवायद और 15 विशेषज्ञों की निगरानी के बाद 1000 साल पुराने कंकाल को वडनगर पुरातत्व अनुभव संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया। इस संग्रहालय का उद्घाटन इस साल जनवरी में किया गया था। 1000 साल पुराने कंकाल को 'समाधि वाले बाबाजी' कहा जाता है। इस कंकाल को मेहसाणा जिले से साल 2019 में खुदाई करके निकाला गया था। तब से इसे अस्थायी तंबू के अंदर रखा गया था। अब कंकाल को नया घर मिल गया है। वडनगर पुरातत्व अनुभव संग्रहालय के क्यूरेटर महिंदर सिंह सुरेला ने बताया- कंकाल को गुरुवार शाम 6 बजे के आसपास संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसे एहतियाती बैरिकेड के साथ रिसेप्शन क्षेत्र के पास ग्राउंड फ्लोर पर रखा गया है। वर्तमान में, यह प्रदर्शन के लिए नहीं है। जैसे ही निर्देश प्राप्त होंगे, संरक्षण के दृष्टिकोण से कंकाल की जांच के बाद, इसे संग्रहालय की गैलरी में स्थानांतरित करने की योजना बनाई जाएगी।

साल 2023 से ही कंकाल को वडनगर के पुराने शहर के बाहरी इलाके में सरकारी आवास के खुले मैदान में 1215 फीट के तिरपाल और कपड़े के तंबू के अंदर रखा गया था। इससे पहले इसे आवास की सीढ़ियों के नीचे गलियारे में रखा गया था। अधिकारियों ने बताया- कंकाल को टेंट से बाहर निकालने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया गया। खुदाई स्थलों पर काम करने वाले 15 से ज्यादा एएसआई और राज्य सरकार के अधिकारियों की देखरेख में इसे एक ट्रेलर में ले जाया गया। इस प्रक्रिया में पांच घंटे से ज्यादा का समय लगा। 2019 में रेलवे लाइन के पार अनाज गोदाम से सटी बंजर जमीन से कंकाल की खुदाई की गई थी। इससे पहले गुजरात के पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशक पंकज शर्मा ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया था- लोथल के संग्रहालय में भी कंकाल रखने पर विचार किया जा रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वडोदरा सर्कल के पूर्व अधीक्षण पुरातत्वविद् अभिजीत आंबेकर, जो वडनगर उत्खनन से करीब से जुड़े थे, उन्होंने कहा था कि पिछले कई वर्षों में खोजी गई 9,000 से अधिक पुरावशेषों के साथ यह कंकाल गुजरात सरकार को सौंप दिया गया है। विशेषज्ञों का मानना ङ्कङ्कहै कि यह कंकाल किसी ऐसे व्यक्ति का है जिसे बैठी हुई या 'समाधि' की स्थिति में दफनाया गया था, जो उस समय 'गुजरात में सभी धर्मों में' प्रचलित प्रथा थी।

नजरिया

राजस्थान में जीरो टॉलरेंस को पलीता लगा रहे हैं भ्रष्टाचारी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

राजस्थान में भ्रष्टाचार ने एक नया आयाम स्थापित किया है। पिछली गहलोत सरकार के दौरान सरकारी भर्तियों में खुले आम भ्रष्टाचरण हुआ जिसकी जाँच अभी भी जारी है। गहलोत सरकार के एक पूर्व मंत्री महेश जोशी को हाल ही में करोड़ों रुपयों के जलदाय घोटाले में पकड़ा गया है, मगर वर्तमान भाजपा सरकार के लाख प्रयासों के बाद भी प्रदेश में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका है। एसीबी आये दिन घूसखोरों की धरपकड़ कर रही है। राजस्थान में सरकारी दफ्तर रिश्वतखोरी के बड़े अड्डे बन गए है। जिस सरकारी संस्थान पर भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी है, आश्चर्य है, उसी संस्था के अधिकारियों की भ्रष्टाचार में धर पकड़ हो रही है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित कुछ अधिकारियों की गिरफ़्तारी इसका प्रमाण है। यह अधिकारी मुख्यालय में तैनात था और अपने पूर्व तैनाती स्थल सवाई माधोपुर में भ्रष्टाचार का जाल बिछाकर वसूली कर रहा था जिसे बिचौलियों सहित पकड़ा गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के सर्वोच्च अधिकारी इसके लिए बधाई के पात्र है जिन्होंने भ्रष्टाचरण में लिप्त पाए जाने पर अपने अधिकारी को भी नहीं बक्शा। राजस्थान में भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाही के बावजूद भ्रष्टाचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। चोर पुलिस में तूं डाल डाल मैं पात पात का खेल चल रहा है। अब तो चोर पुलिस में अंतर करना भी मुश्किल होने लगा है। भ्रष्टाचारियों को पकड़ने की लाख कोशिशों के बाद भी भ्रष्ट कर्मी हार मानने को तैयार नहीं है। आम आदमी को अपने कामों के लिए सरकारी दफ्तर जाना पड़ता है जहाँ बिना सुविधा शुल्क दिए कोई काम नहीं हो रहा है। प्रदेश में आये दिन रिश्वतखोरों को पकड़ा जा रहा है मगर भ्रष्टाचारी अपने नाज़ायज़ कामों से बाज़ नहीं आ रहे है। ऐसा लगता है भ्रष्टाचार ने शिष्टाचार का रूप ले लिया है।

ऐसा लगता है राजस्थान में भ्रष्टाचार ने शिष्टाचार का रूप ले लिया है। सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की उनके रुतबे पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है और उनके द्वारा किया गया भ्रष्टाचार सिर्फ शिष्टाचार है। यह साफ जाहिर होता है भ्रष्टाचार ने इस राज्य में अपनी जडे मजबूती से जमा ली है। जनता के खून पसीने की कमाई को हड़प करने का जरिया भ्रष्टाचारियों ने अपना लिया है। यह तो भ्रष्टाचार की एक बानगी है। सच तो यह है कि भ्रष्टाचार ने अपना दामन चहुंओर फैला रखा है। राजस्व, तहसील, कलेक्ट्रेट, जेडीए, स्थानीय निकाय, सिंचाई, जलदाय, रसद, सड़क, पंजीयन जैसे दर्जनों कार्यालय हैं जहां बिना सुविधा शुल्क के कोई काम नहीं होता। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

राजस्थान तो एक बानगी है , सच तो यह है भ्रष्टाचार ने देश और दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले रखा है। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास में बाधक है, लोकतंत्र के प्रति विश्वास को नुकसान पहुँचाता है और रिश्वत की संस्कृति को बढ़ावा देता है। भ्रष्टाचार से सामाजिक असामानता फैलती है। हर साल ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसी वैश्विक संस्था अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग भी जारी करता है जिसमें भ्रष्टतम देश शामिल किये जाते है। मगर लाख प्रयासों के बाद भी भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका।

यह हमारे सिस्टम का फेलियोर है या सत्ताधीशों का, इस पर गहन चिंतन और मनन की जरुरत है। 140 करोड़ की आबादी का आधा भारत आज रिश्वतखोरी के मकड़जाल में फंसा हुआ है। स्थिति यह हो गई है की बिना रिश्वत दिए आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। हमारे देश में भ्रष्टाचार इस हद तक फैल चुका है कि इसने समाज की बुनियाद को हिला कर रख दिया है। जब तक मुट्ठी गर्म न की जाए तब तक कोई काम ही नहीं होता। लोकल सर्कल इंडिया करप्शन सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि लोगों को सबसे ज्यादा घूस जमीन से जुड़े मामलों में देनी पड़ रही है। इसके बाद दूसरे सबसे भ्रष्ट महकमों में पुलिस शामिल है। भ्रष्टाचार एक संचारी बीमारी की भांति इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को अपना भविष्य अंधकार से भरा नजर आने लगा है और कहीं कोई भ्रष्टाचार मुक्त समाज की उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुंबई में सलमान खान के अपार्टमेंट में अवैध तरीके से घुसने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। पुलिस ने पिछले दो दिन में मुंबई के बांद्रा इलाके में अभिनेता सलमान खान के अपार्टमेंट में अनधिकृत तरीके से घुसने के आरोप में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बांद्रा थाने के अधिकारी ने बताया कि मंगलवार और बुधवार को हुईं घटनाओं के संबंध में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। अधिकारी ने बताया कि जितेंद्र कुमार सिंह (23) नामक एक व्यक्ति मंगलवार को कथित तौर पर बांद्रा (पश्चिम) में स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुस गया, जहां खान रहते हैं। सिंह को सुबह खान के घर के आसपास घूमते देखा गया था।

अभिनेता की सुरक्षा के लिए वहां तैनात एक पुलिसकर्मी ने उसे वहां से जाने को कहा। अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ के रहने वाले सिंह ने गुस्से में आकर अपना मोबाइल फोन जमीन पर पटक दिया। अधिकारी ने बताया, उस शाम सिंह उसी इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति की कार से गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसा। हालांकि, पुलिस ने उसे फिर से रोक लिया। इस बार उन्होंने उसे बांद्रा पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ के दौरान सिंह ने पुलिस को बताया कि वह अभिनेता से मिलना चाहता था। अधिकारी ने बताया कि सिंह ने दावा किया कि पुलिस उसे इमारत में घुसने नहीं दे रही थी, इसलिए उसने चुपके से अंदर घुसने की कोशिश की। अधिकारी ने कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सिंह गैलेक्सी अपार्टमेंट के निवासी की कार में बैठकर अंदर कैसे घुसा।

अधिकारी ने बताया कि ऐसी ही एक अन्य घटना में बुधवार को एक महिला इमारत में घुसी और खान के फ्लैट तक भी पहुंच गई।

अधिकारी ने बताया कि सिंह और महिला दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ अवैध तरीके से प्रवेश करने का मामला दर्ज किया गया है।

'ओवल ऑफिस' में एक और नाटकीय घटना, ट्रंप ने रामाफोसा को भी दिखाए तेवर

वाशिंगटन/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यालय 'ओवल ऑफिस' को एक तरह से अखाड़े में तब्दील कर दिया है और इसी तरह का एक और 'नाटकीय' दृश्य बुधवार को भी देखने को मिला जो ट्रंप के हिसाब से भी असाधारण था। अमेरिका आए अपने मेहमान दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा की मौजूदगी में ट्रंप ने बत्तियां बुझाने और वहां लाए गए एक टीवी पर वीडियो चलाने का आदेश दिया तथा इसी के साथ 'ओवल' की कहानियों में एक नया प्रसंग जुड़ गया। ट्रंप टीवी पर दक्षिण अफ्रीका से जुड़ा एक वीडियो देख रहे थे जबकि रामाफोसा ने मुंह फेर रखा था। लगभग चार मिनट के वीडियो में अश्वेत नेताओं को श्वेत दक्षिण अफ्रीकी लोगों पर हमला करने के संबंध में रंगभेद विरोधी नारे लगाते दिखाया गया। इनमें एक भी नेता रामाफोसा की सरकार या राजनीतिक दल का नहीं था। वीडियो के अंत में पंक्तियों में लगे सफेद क्रॉस को दिखाया गया। ट्रंप ने कहा कि ये क्रॉस मारे गए श्वेत किसानों का प्रतीक हैं। ट्रंप ने कहा, ''यह एक भयानक दृश्य है। मैंने पहले ऐसा कुछ कभी नहीं देखा।' रामाफोसा नए व्यापार समझौते करने की उम्मीद लेकर आए थे लेकिन ट्रंप बैठक में इन ''आधारहीन'' आरोपों पर बात करना चाहते थे कि रामाफोसा के देश में श्वेत किसानों का उत्पीड़न किया जा रहा है एवं उनकी हत्याएं की जा रही हैं।

रामाफोसा ने वीडियो पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''मैं जानना चाहता हूं कि यह कहां हुआ? क्योंकि मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।'' इस घटना ने 'ओवल ऑफिस' में लगभग तीन महीने पहले हुई ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की बैठक की याद दिला दी जिसमें दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हुई थी। हालांकि रामाफोसा और ट्रंप के बीच यह नाटकीय घटनाक्रम कटुता में नहीं बदला। ट्रंप ने वीडियो के अलावा कुछ कागज भी दिखाए और कहा कि ये श्वेत किसानों पर हमलों संबंधी रिपोर्ट के 'प्रिंटआउट' हैं।

ट्रंप ने कहा, ''मौत। मौत। भयानक मौत।'' उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने दर्जनों श्वेत अफ्रीकी लोगों का शरणार्थी के रूप में अमेरिका में स्वागत किया है क्योंकि उन्हें अपने देश में भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है। रामाफोसा ने दक्षिण अफ्रीका में नरसंहार के आरोपों को खारिज कर दिया। रामाफोसा ने ट्रंप पर अकेले दबाव डालने के बजाय उन्हें अपने प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों की बात सुनने को कहा जिनमें पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी एर्नी एल्स और रीटिफ गूसेन भी शामिल थे।

जम्मू-कश्मीरः एक महीने बाद भी पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी गिरफ्त से दूर

पहलगाम/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय खच्चर वाले की मौत के एक महीने बाद भी इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी सुरक्षा बलों की गिरफ्त से दूर हैं। आतंकवादियों को पकड़ने के लिए कश्मीर घाटी में शुरू किये गये व्यापक अभियान के बावजूद सुरक्षा बल खाली हाथ हैं।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि बैसरन इलाके में 22 अप्रैल को हुए घातक हमले के बाद शुरू किए गए विभिन्न अभियानों में कई कुख्यात आतंकवादी मारे गए हैं लेकिन इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी सुरक्षा बलों की पकड़ से दूर हैं।

मामले की जांच का जिम्मा संभालने वाली राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 100 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस आतंकी हमले में शामिल हो सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों से पूछताछ की गई है, उनमें वे लोग भी शामिल हैं जो बैसरन में पर्यटकों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करते थे, जैसे कि खाद्य पदार्थ स्टॉल मालिक, 'जिपलाइन' संचालक और खच्चरवाले।

एनआईए ने तीन संदिग्धों के 'स्केच' जारी किए हैं, जिनकी पहचान अनंतनाग निवासी आदिल हुसैन थोकर और दो पाकिस्तानी नागरिकों अली भाई उर्फ तल्हा भाई और हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान के रूप में हुई है।

माना जा रहा है कि इन तीनों ने ही हमले को अंजाम दिया था।

बाद में विभिन्न स्थानों पर पोस्टर चस्पा किये गये, जिनमें नरसंहार के अपराधियों की गिरफ्तारी या उनकी खोज में मदद करने वाली सूचना के लिए इनाम की पेशकश की गई।

अधिकारियों ने संदिग्धों को पकड़ने में जनता के सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए 20 लाख रुपए का इनाम की पेशकश की है।

इनाम का उद्देश्य मौजूदा जांच प्रक्रिया में तेजी लाना है।

ऐसा माना जा रहा है कि जांचकर्ताओं ने नरसंहार के दिन पहलगाम के आसपास के 'मोबाइल डंप डेटा' और हमले से कुछ क्षण पहले पर्यटकों द्वारा लिये गए वीडियो का विश्लेषण किया ताकि बैसरन तक पहुंचने के लिए आतंकवादियों द्वारा अपनाए गए रास्ते का पता लगाया जा सके।

अधिकारियों ने हालांकि बताया कि प्रयासों में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। पहलगाम के खूबसूरत बैसरन में 22 अप्रैल को आतंकवादी घुस आए और 25 पर्यटकों व उन्हें बचाने की कोशिश करने वाले एक स्थानीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी।

हालांकि, हमला करने वाले आतंकवादियों की सही संख्या का पता नहीं चल पाया है लेकिन सूत्रों ने बताया कि चार से छह आतंकवादी हमले में शामिल हो सकते हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आतंकवादियों ने लोगों से 'कलमा' पढ़ने के लिए कहकर उनके धर्म की पुष्टि करने के बाद उन्हें गोली मार दी।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''वे अब तक सुरक्षा बलों को चकमा देने में भले ही कामयाब रहे हैं, लेकिन उन्हें पकड़ने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।''

करीब 100 लोगों पर जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और उन्हें विभिन्न जेलों में डाला गया।

ऐश्वर्या राय ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेरा

कान्स/एजेन्सी

पूर्व मिस वर्ल्ड और बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेरा दिया। इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 काफी चर्चा में है। इस मौके पर कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपना जलवा बिखेर रहे हैं। फ्रांस के रिवेरा शहर में चल रहे कांस फिल्म फेस्टिवल 2025 में ने ऐश्वर्या राय ने भी धमाकेदार एंट्री की है। ऐश्वर्या राय वर्ष 2002 में पहली बार फिल्म 'देवदास' के प्रीमियर के लिए कान्स फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह हर साल इस फिल्म फेस्टिवल में शामिल होती हैं। ऐश्वर्या का लुक भी हर साल चर्चा में रहता है। इस बार उनका अलग अंदाज देखने को मिला है। एक तरफ जहां रेड कारपेट पर दूसरी हसीनाओं ने वेस्टर्न आउटफिट पहन जलवा बिखेरा तो वहीं, ऐश्वर्या ने भारतीय नारी वाली छवि के संग एंट्री ली तो हर कोई उन्हें देखता ही रह गया। इस दौरान उन्होंने नमस्ते कहकर वहां उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। ऐश्वर्या रॉय, कान्स के रेड कारपेट पर अपने हुस्न के जलवे बिखेरती नजर आईं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने भारतीय संस्कृति और फैशन का शानदार समागम पेश किया। ऐश्वर्या, साड़ी, मांग में सिंदूर, खुले बालों के साथ साइड दुपट्टा और लाल जड़ाऊ हार पहनकर बेहद ही स्टनिंग लग रही थी। ऐश्वर्या रॉय ने कान्स 2025 में ऑफ व्हाइट आइवरी बनारसी साड़ी पहनी जिसे मशहूर डिजानइन मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया था। वहीं, लाल जड़ाऊ हार उनके लुक को शाही टच दे रहा था। सबसे ज्यादा ऐश्वर्या के लुक में जिस चीज ने ध्यान खींचा वो था उनका सिंदूर। इसी के साथ ऐश्वर्या ने पति अभिषेक संग शादी में अनबन की खबरों को भी खत्म कर दिया है। ऐश्वर्या के लुक की नेटिजन्स जमकर तारीफ कर रहे हैं।

प्रचार

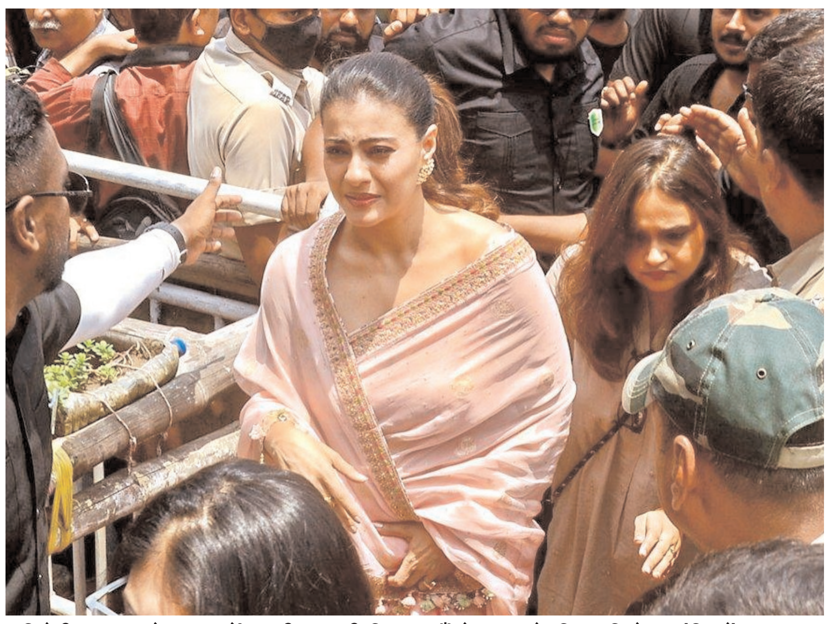

अभिनेत्री काजल कोलकाता में अपनी आगामी फिल्म 'माँ' के प्रचार के लिए दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा करत जाती हुई।

मणिरत्नम के साथ काम करना रोमांचक अनुभव रहा : कमल हासन

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार और फिल्मकार कमल हासन ने कहा कि निर्देशक मणिरत्नम के साथ फिल्म ठगलाइफ में काम करना उनके लिये रोमांचक अनुभव रहा है। कमल हासन ने वर्ष 1987 में प्रदर्शित फिल्म मणिरत्नम की फिल्म नायकन में काम किया था। वहीं 38 साल बाद यह जोड़ी फिल्म 'ठग लाइफ' में काम कर रही है। कमल हासन ने 'ठग लाइफ' की कहानी मणिरत्नम के साथ मिलकर लिखी है। फिल्म ठग लाइफ, तीन दिग्गज मणि रत्नम, कमल हासन और ए.आर. रहमान के साथ पहली बार एक साथ आने के कारण इतिहास बनाने के लिए तैयार है। कमल हासन ने कहा कि उनके लिये ठगलाइफ का सबसे रोमांचक हिस्सा मणिरत्नम साथ काम करना था। इसके बाद अपने आप ही, बाकी सभी चीजें हो गईं। उन्होंने कहा, मैं मणिरत्नम को एक दोस्त के रूप में जानता था।

मुझे यह भी नहीं पता था कि वे एक फ़िल्मी परिवार से हैं। मुझे उनके बात करने का तरीका पसंद आया। हम दोस्त बन गए और हमारे दोस्तों का एक समूह बन गया। हम सिर्फ़ सिनेमा के बारे में बात करते थे और कोई गपशप नहीं करते थे और यहीं से इसकी शुरुआत हुई। हम फ़िल्म प्रेमी हैं। यही बात हमें यहाँ तक ले आई। हम किसी भी सेट पर किसी को भी काम करते हुए देखने के लिए जाते थे, ख़ास तौर पर वे जिन्हें हम प्रतिभाशाली मानते हैं। हम उन्हें काम करते हुए देखना चाहते थे। और हमने यही किया।

मणिरत्नम ने फिल्म ठग लाइफ़ के विचार को आकार देने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि सबसे पहले कमल हासन आए और फिर ठग लाइफ़ आई। तो, यहीं से इसकी शुरुआत हुई। फिल्म निर्माण के पैमाने और फ़िल्म की शानदार टीम को इकट्ठा करने के बारे में बात करते हुए मणिरत्नम ने कहा, मुझे लगता है कि कहानी के हिसाब से ही पैमाने का निर्धारण होता है। जो भी मांग होती है, आप उसी दिशा में आगे बढ़ते हैं। और जब आपके पास सही कलाकार और क्रू हो, तो यह हमेशा एक खुशी की बात होती है और यह हमेशा एक निर्देशक का काम आसान बनाता है। मैं भाग्यशाली रहा हूँ कि मुझे सबसे बेहतरीन कलाकार मिले। इसलिए, यह शानदार रहा। गौरतलब है कि फिल्म ठग लाइफ को राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जायंट मूवीज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

फिल्म का संगीत लेजेंडरी म्यूजीशियन एआर रहमान ने दिया है। फिल्म ठग लाइफ में मलयालम, हिंदी और तेलुगु सिनेमा के कलाकार नज़र आएंगे, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक बनाता है। कमल हासन, मणि रत्नम, आर. महेंद्रन और शिव अनंत निर्मित फिल्म ठग लाइफ में कमल हासन, सिलंबरासन टीआर, त्रिशा, नासिर, अभिरामी, जोजू जॉर्ज, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, महेश मांजरेकर अली फजल, वैयापुरी और अन्य प्रमुख भूमिकाएँ हैं। यह फिल्म 05 जून को दुनियाभर में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

पंकज त्रिपाठी ने क्रिमिनल जस्टिस 4 के सेट पर बरखा सिंह को किया प्रेरित

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने सीरीज क्रिमिनल जस्टिस 4 के सेट पर अभिनेत्री बरखा सिंह को प्रेरित किया। बरखा सिंह भारतीय सिनेमा में सबसे होनहार और प्रतिभाशाली चेहरों में से एक के रूप में उभर रही हैं। उन्होंने फिल्म द साबरमती रिपोर्ट में अपने कैमियो में एक शक्तिशाली और भावनात्मक रूप से समृद्ध प्रदर्शन किया। उनकी भूमिका ने दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ी, और वह अपनी प्रामाणिकता और स्क्रीन उपस्थिति से दिल जीतना जारी रखती हैं। प्रमुख परियोजनाओं की बढ़ती लाइनअप के साथ, बरखा अब समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यापक रूप से पसंद की जाने वाली सीरीज़ क्रिमिनल जस्टिस के चौथे सीज़न में अपनी अगली बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। बरखा ने बताया कि उन्होंने पंकज त्रिपाठी की सलाह के साथ कदम बढ़ाया। उन्होंने बताया कि उद्योग के दिग्गजों के साथ काम करने के अपने अलग-अलग फायदे हैं। एक बातचीत जो मेरे साथ रही, वह पहले कुछ दिनों में हुई जब हम एक बहुत ही महत्वपूर्ण और तकनीकी दृश्य की शूटिंग कर रहे थे, और मैं जिस तरह से इसे निभा रही थी, उससे खुश नहीं थी, मुझे लगा कि मुझे दूसरा तरीका अपनाना चाहिए था जो बेहतर होता। स्वाभाविक रूप से, जब हमने शूटिंग पूरी की, तब तक मैं थोड़ी परेशान हो गयी थी क्योंकि रोहन सर से दूसरे टेक के लिए या सीन को फिर से करने के लिए कहने में बहुत देर हो चुकी थी। यह पहली बार था जब मैंने किसी सीन के बाद ऐसा महसूस किया था। पंकज सर ने इसे महसूस किया और कहा, 'ये सब होता रहता है, बड़े-बड़े एक्टर के साथ भी होता है... ये उदासी सेट पर ही छोड़ कर जाना, घर पर मत लेके जाना। कल आना और धमाल मचाना। और वो छोटी-सी बातचीत ही मुझे बेहतर महसूस कराने के लिए काफी थी।

जाह्नवी कपूर ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेरा

कान्स/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेरा दिया। इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 काफी चर्चा में है। इस मौके पर कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपना जलवा बिखेर रहे हैं। फ्रांस के रिवेरा शहर में चल रहे कांस फिल्म फेस्टिवल 2025 में जाह्नवी कपूर ने जलवा बिखेरा है। जाह्नवी कपूर ने कान्स 2025 में अपना डेब्यू कर दिया है।

रेड कारपेट से जाह्नवी का पहला लुक सामने आया है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। जाह्नवी कपूर ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने पहले रेड कार्पेट लुक के लिए डिजाइनर तरुण तहिलियानी द्वारा डिजाइन किया गया गुलाबी रंग का एक कस्टम-मेड आउटफिट पहना। यह एक बनारसी टिशू फैब्रिक से बना था, जिसमें एक वॉल्यूमिनस स्कर्ट, कॉर्सेट टॉप और एक ड्रामेटिक घूंघट था। उन्होंने चोपार्ड के हाउते जोएलरी कलेक्शन की ज्वेलरी पहन अपने लुक को कम्पलीट किया। कान्स के रेड कारपेट पर जाह्नवी कपूर पूरे आत्मविश्वास के साथ नजर आई। उन्होंने एक से बढ़कर एक पोज देकर पूरी महफिल लूट ली। जाह्नवी को देख लोगों को उनकी मां दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी याद आई। जाह्नवी कपूर के साथ ईशान खट्टर भी कान्स पहुंचे हैं।

दोनों ही सितारे अपनी अपकमिंग फिल्म 'होमबाउंड' के लिए वहां पहुंचे हैं, जिसकी स्क्रीनिंग इस प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में हो रही है। फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले इसके लीड सितारे जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर रेड कारपेट पर उतरे।

फिल्म 'कपकपी' लोगों की अजीबोगरीब प्रतिक्रियाओं पर आधारित है : तुषार कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर ने अपनी आगामी फ़िल्म कपकपी के बारे में कहा कि उनकी फिल्म लोगों की अजीबोगरीब प्रतिक्रियाओं पर आधारित है। तुषार कपूर हाल ही में फ़िल्म कपकपी के प्रचार के लिए राष्ट्रीय राजधानी में अपनी सह कलाकार तथा दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सिद्धि इदनानी और सोनिया राठी के साथ आए। तुषार कपूर ने प्रेस वार्ता में कहा, फ़िल्म कपकपी क्योंकि लोग डर के मारे अजीबोगरीब प्रतिक्रियाएं देते हैं। इस फिल्म में कई मजेदार दृश्य हैं। हमारा मानना है कि फिल्म के दौरान भूतिया मजाक, प्रेत-बाधित हरकतें, जोरदार हंसी का झमेला, भूत का कराहना, लाइट्स का टिमटिमाना देखकर दर्शकों की चीखें हंसी में घुल जाएंगी।

कॉमेडी को भयानक हॉरर के साथ मिलाते हुए 'कपकपी' एक भूतिया घर की डरावनी, लेकिन मजेदार दुनिया की झलक दिखाती है। यह डरावनी, पागल और बिल्कुल दीवानी कर देने वाली फिल्म है।

कुल मिलाकर यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। फिल्म 'कपकपी' एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन संगीत सिवन ने और निर्माण जयेश पटेल ने जी स्टूडियोज और ब्रावो एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है। तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और सिद्धि इदनानी अभिनीत यह फिल्म 2023 की मलयालम फिल्म 'रोमांचम' की रीमेक है।

इस फिल्म की पटकथा का रूपांतरण कुमार प्रियदर्शी और सौरभ आनंद ने किया है। इस फ़िल्म की सबसे खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिये बॉलीवुड की पसंदीदा कॉमिक जोड़ी श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर फिर से एक साथ आ रहे हैं। फिल्म का महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि संगीत सिवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके आखिरी प्रोजेक्ट में से एक है। संगीत सिवन का निधन पिछले वर्ष मई में हो गया था।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

धर्म और संयम के बिना हमारी आत्मा का उद्धार नहीं हो सकता है। हमें स्व और पर का भेद करते हुए अपनी आत्मा को स्व यानि अपनी जानकर उसके उत्थान की ओर कदम बढ़ाना है। बाह्य जगत के सभी कार्य होते रहेंगे लेकिन हमें अपनी आत्मा के लिए हमेशा जागृत रहना है और धर्म आराधना में सतत जुड़े हुए रहना है।

माहेश्वरी क्लब चेन्नई की साधारण सभा सम्पन्न

सुनील सारड़ा अध्यक्ष एवं मुरली मनोहर लखोटिया सचिव बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी क्लब चेन्नई की 48वीं वार्षिक साधारण सभा डी. जी. वैष्णव कॉलेज के सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष पद हेतु सुनील सारड़ा तथा सचिव पद हेतु मुरली मनोहर लखोटिया को सर्वसम्मति से निर्विरोध रूप से चुना गया।

सुनील सारड़ा एवं मुरली मनोहर लखोटिया

चुनाव प्रक्रिया का संचालन मोहन दमानी एवं संजय मूंदड़ा ने चुनाव अधिकारियों के रूप में किया। उन्होंने वर्ष 2025-26 के लिए नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा की। उपाध्यक्षद्वय में देवकिशन काबरा और प्रेमलता टावरी, संयुक्त सचिव संदीप काबरा, कोषाध्यक्ष संजय सारड़ा को चुना गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुरेश कोठारी, इंदर राठी, संदीप चांडक, राजीव पचीसिया, राकेश काबरा, महेश अजमेरा, गौरव जेठा, संजना साबू एवं पायल मूंदड़ा को लिया गया है।

सभा का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और 'महेश वंदना' के साथ हुआ्। इसके उपरांत निवर्तमान अध्यक्ष रविंद्र डागा, सचिव मुकुल डागा तथा कोषाध्यक्ष संदीप काबरा ने गत वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट एवं वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। ?

उन्होंने वर्ष भर में क्लब द्वारा किए गए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की भी जानकारी दी।

नव-निर्वाचित अध्यक्ष सुनील सारड़ा को माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष अशोक जे. मूंधड़ा ने पारंपरिक साफा पहनाकर, तिलक कर एवं शपथ दिलाकर सम्मानित किया। तत्पश्चात अध्यक्ष सारड़ा ने अपनी पूरी कार्यकारिणी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। संचालन मीनू काबरा द्वारा किया गया।

जो फिट रहता है वह जीवन के हर क्षेत्र में हिट रहता है : महेन्द्र मुणोत

कांठा प्रांत प्रीमियर लीग का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु द्वारा आयोजित होने वाले मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता केपीपीएल सीजन-7 की शुरुआत बीईएल ग्राउंड में हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों से खेल की भावना के साथ खेलते हुए अच्छे प्रदर्शन का अनुरोध किया। मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जो फिट रहता है वह जीवन के हर क्षेत्र में हिट रहता है। सफलता का फिटनेस से गहरा संबंध है। समाज का हर युवा फिट रहे इस उद्देश्य से पिछले 7 वर्षों से कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करता आ रहा है।

खेलकूद से शारीरिक, मानसिक व्यक्तित्व विकास तो होता ही है, भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान महावीर ने भाग्यवाद नहीं पुरुषार्थवाद का संदेश दिया है जो केवल भाग्य पर विश्वास करते हैं उन्हें वही मिलता है जो उनके भाग्य में लिखा है लेकिन जो स्वयं पर विश्वास करते हैं और पुरुषार्थ करते हैं उन्हें वह सब कुछ मिलता है जो उन्हें चाहिए।

ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने मुख्य प्रायोजक महेन्द्रकुमार हंसराज मुणोत सहित विभिन्न प्रायोजकों को धन्यवाद दिया। इस प्रतियोगिता में गणेश टाइटंस, गुगलिया मावेरिक्स, सिंघवी किंग्स, पीजे चैलेंजर्स, प्राचीन क्राफ्टर्स, रॉयल कोठारीज , श्री स्ट्राइकर्स एवं वर्धमान ड्रीम्स टीमें भाग ले रही हैं। संयोजक विजय गुगलिया एवं सह संयोजक अमित कोठारी, किरण गुगलिया, रमेश गुगलिया तथा विनोद गुगलिया ने व्यवस्था संभाली। प्रतियोगिता के प्रथम दिन 12 लीग मैच खेले गए।

रेला हॉस्पिटल में रोबोटिक लिवर ट्रांसप्लांट में सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लिवर प्रत्यारोपण हेतु विश्व स्तर पर प्रसिद्ध चेन्नई स्थित रेला हॉस्पिटल के डॉक्टरो को रोबोटिक लिवर प्रत्यारोपण करने में सफलता प्राप्त हुई है। यह प्रक्रिया पांच वर्षीय बच्चे पर की गई, बच्चा दुनिया भर में रोबोटिक लिवर प्रत्यारोपण करवाने वाला सबसे कम उम्र का व्यक्ति बन गया है। रोगी पांच वर्षीय बच्चा यूरिया चक्र दोष नामक अनुवांशिक बीमारी से ग्रस्त था जिसमें लीवर भोजन से प्राप्त प्रोटीन को ठीक से संसाधित नहीं कर पाता जिसके कारण रक्त में अमोनिया का हानिकारक निर्माण होता है यह स्थिति शरीर के अन्य अंगों के साथ मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। लिवर प्रत्यारोपण ही इसका एकमात्र निदान है।

अस्पताल के अध्यक्ष प्रोफेसर मोहम्मद रेला ने इस संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह दुनिया में पहली बार है जब बाल चिकित्सा हेतु लिवर प्रत्यारोपण पूरी तरह से रोबोटिक प्लेटफार्म का उपयोग कर सफलतापूर्वक किया गया है। यह सर्जरी इस क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है, उन्होंने कहा कि लिवर प्रत्यारोपण के क्षेत्र में यह प्रगति न केवल कम दर्द के साथ तेजी से रिकवरी प्रदान करती है बल्कि उन बच्चों के किशोरावस्था के दौरान उनके पेट में बड़े निशान के बिना सामान्य मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक विकास में भी मदद करती है।

रेला हॉस्पिटल के क्लीनिकल हेड डॉ राजेश रामलिंगम ने इस अवसर पर कहा कि रोबोटिक सर्जरी दर्द और अस्पताल में रहने को कम करने के अलावा सटीकता और सुरक्षा प्रदान करती है उन्होंने कहा कि रोबोट द्वारा लिवर प्रत्यारोपण जैसी जटिल सर्जरी करना न्यूनतम इन्वेंशिव सर्जरी के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता है। हम इस रोबोटिक तकनीक से मिलने वाले लाभ को लिवर प्रत्यारोपण से गुजरने वाले बच्चों तक पहुंचाने से बहुत खुश हैं। रेला हॉस्पिटल के महिला एवं बाल स्वास्थ्य और वरिष्ठ सलाहकार डॉ नरेश षणमुगम ने कहा कि रोबोट द्वारा लिवर प्रत्यारोपण करने से अस्पताल में रहने का समय सामान्यतः इक्कीस दिनों से घटकर सात दिन हो गया है। ऐसी प्रक्रिया में रोगी जल्दी ही अपने सामान्य आहार पर वापस आ जाते है। उन्होंने कहा कि यह सफलता न्यूनतम इन्वेंशिव तकनीक के साथ मेटाबॉलिक लीवर रोगियों के इलाज में एक आशाजनक परिणाम है।

ज्ञानशाला बन गई है संस्कारों की पाठशाला : मुनिश्री पुलकितकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुनि डॉ पुलकितकुमारजी एवं आदित्यकुमारजी के सान्निध्य में बन्नरघट्टा रोड एवं जिगनी ज्ञानशाला का विशेष कार्यक्रम क्लासिक ऑर्चिड स्थित एक अनुयायी के निवास पर आयोजित हुआ। इस अवसर पर मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा, संस्कार जीवन की आधारशिला है और संस्कारों का संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है । आज के भटकते परिवेश में अपनी संस्कृति और मूल्यों को सुरक्षित रखना एक चुनौती बन गया है। ज्ञानशाला के माध्यम से जैन तेरापंथ समाज पूरे भारत में बाल संस्कार निर्माण का प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। वास्तव में 'ज्ञानशाला संस्कारों की पाठशाला' बन चुकी है। मुनिश्री ने सभी उपस्थित अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक बच्चों को ज्ञानशाला से जोड़ें, ताकि अगली पीढ़ी संस्कारवान बन सके। मुनिश्री आदित्यकुमारजी ने घर-घर जागे सदसंस्कार, ज्ञानशाला का यह उपहार गीत के माध्यम से प्रेरणा दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा गीत की प्रस्तुति से हुआ। कार्यक्रम में जिगनी ज्ञानशाला से लारिका छाजेड़, खुशी लोढ़ा, वंश नाहटा एवं बन्नरघट्टा ज्ञानशाला से पूर्वी धारीवाल, आर्या बाफना, मयंक कोठारी एवं वृद्धि सिंघी ने ज्ञानशाला में अपने अनुभव साझा किए। दक्षिणांचल ज्ञानशाला के प्रभारी माणकचंद संचेती ने मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस मौके पर विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सद्भावना के निर्मल पानी से ही दुर्भावना को समाप्त किया जा सकता है : कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुलबागल (कर्नाटक)। शहर के जैन स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि जिसके निमित्त से हमारे दिल में दुर्भावना का निर्माण होता है, उससे अगले का नुकसान हो या ना हो, उस ज्वाला में व्यक्ति के सब सद्गुण जलकर नष्ट हो जाते हैं। परमाणु बम तो बाहरी वस्तु और शरीर का नुकसान कर सकता है परंतु आत्मा का कुछ नहीं बिगाड़ सकता, उससे अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है दुर्भावना का बम, जिससे आत्मा का पतन, कर्मों का बंधन, विचारों में प्रदूषण और शरीर रोगों का घर बनता है। उन्होंने कहा कि दुर्भावना को दुर्भावना से खत्म करने का प्रयास करना आग को आग से बुझाने के समान माना जाता है। सद्भावना के निर्मल पानी से ही दुर्भावना को समाप्त किया जा सकता है । मुनिश्री कमलेश मुनि जी ने कहा कि विश्व के सभी धर्म के महापुरुषों ने दुर्भावना रहते हुए धार्मिकता में प्रवेश की इजाजत नहीं दी है, दुर्भावना का त्याग के बिना मानवता का विकास नहीं हो सकता। हमारी दुर्भावनाओं का प्रभाव इंसान तो क्या पशु पक्षी और संपूर्ण प्रकृति पर पड़ता है, अशांति, तनाव और टकराव का मुख्य कारण भी दुर्भावना ही है।

सज्जन और धार्मिक आत्मा में जब दुर्भावना का प्रवेश हो जाता है, वह आत्मा शैतान और राक्षस बन जाती है। दुर्भावना को जीतने वाला विश्व विजेता से बढ़कर है । इस मौके पर घनश्याममुनिजी, कौशलमुनिजी ने मंगलाचरण किया। अक्षतमुनिजी व सक्षममुनिजी ने विचार व्यक्त किए। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रसंत का 8 जून को चेन्नई में नगर प्रवेश तथा 29 जून को चेन्नई के साहुकारपेट में मंगल प्रवेश होगा।

अम्बेश जयंती में सान्निध्य के लिए संतों से किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय अम्बेश गुरु सेवा समिति के तत्वावधान में मेवाड़ संघ शिरोमणि संतश्री अम्बालालजी का जयंती समारोह 5 जून को यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में तप-त्याग से मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष लादुलाल ओस्तवाल के नेतृत्व में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुखराज मेहता, मंत्री सुरेन्द्रकुमार आंचलिया, सहमंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कोठारी ने श्रमण संघीय उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, उपप्रवर्तिनीश्री निर्मलाजी और साध्वी आगमश्री के दर्शन कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया। इसके पूर्व समिति की ओर से पंडित ज्ञानमुनिजी, उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी, साध्वीश्री कंचनकंवरजी व ऋद्धिश्रीजी से भी निश्रा प्रदान करने का निवेदन किया।

गौशाला में सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के सुकरवार पेट स्थित गुरु राजेन्द्र सूरी मंदिर के भवन में अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन महिला परिषद् द्वारा कोयम्बटूर स्थित ध्यान गौशाला में पक्का फर्श बनाने में 7 लाख 11 हजार रुपए की सहयोग राशि भेंट की। इस अवसर पर श्री राजेंद्र गुरु मंदिर के उपाध्यक्ष अमीचंद वोरा, सचिव महावीर गांधीमुथा, सह कोषाध्यक्ष नरेश हुंडिया एवं अन्य गणमान्य महानुभावों के साथ परिषद् की दक्षिण प्रान्तीय महामंत्री लीला महावीर गाँधीमुथा एवं परिषद् की सदस्याएं उपस्थित रही। कार्यक्रम में अखिल भारतीय राजेंद्र जैन महिला परिषद के स्थानीय अध्यक्ष दरिया देवी ओबानी, मंत्री डॉली देवी सिंघवी, सहसचिव काजल बेन बाफना, कोषाध्यक्ष संतोष बेन वेदमूथा उपस्थित थे। परिषद की ओर से सभी दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

गांधीनगर तेरापंथ महिला मंडल ने सार्वजनिक स्थलों पर लगाई 52 बेंचें

महिला मंडल के राष्ट्रीय पदाधिकारी रहे उपस्थित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत कन्या सुरक्षा बेंचों का उद्घाटन गुरुवार को एसएमवीटी रेलवे स्टेशन, क्रांतिवीर संगोली रायण्णा रेलवे स्टेशन पर एवं स्कूल में कुल 52 बेंचों का उद्घाटन किया। अध्यक्ष रिजू डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा ने तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के श्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि मंडल ने उपयोगी जगह पर बेंचें लगवाई हैं। उन्होंने मंडल की सदस्याओं को भविष्य में इसी तरह काम करने की प्रेरणा दी। महिला मंडल की राष्ट्रीय महामंत्री नीतू ओस्तवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ डिवीजनल कामर्शियल मैनेजर कृष्ण चैतन्य ने महिला मंडल के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस स्टेशन पर प्रतिदिन 40हजार यात्रियों का आवागमन होता है और यहां पर इन बेंचों की बहुत आवश्यकता है। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने भी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में संगठन के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री ज्योति संचेती ने किया।

फोर्ब्स सूची : केरल ग्रामीण बैंक को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बैंकों में स्थान मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केनरा बैंक द्वारा प्रायोजित केरल ग्रामीण बैंक ने फोर्ब्स की वर्ष 2024 के लिए विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैंकों की सूची में प्रतिष्ठित स्थान पाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसे भारत में 9वें सर्वश्रेष्ठ बैंक के रूप में मान्यता दी गई है। यह इस प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग में शामिल होने वाला देश का एकमात्र क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक है। फोर्ब्स ने स्टैटिस्टा के सहयोग से 34 देशों में 17 भाषाओं में 50,000 से अधिक ग्राहकों के व्यापक सर्वेक्षण के आधार पर यह सूची तैयार की है। अपने देशों में सर्वोच्च अंतिम स्कोर वाले बैंकों को इस रैंकिंग में शामिल किया गया, जिसमें विश्वभर के 385 बैंक शामिल हैं।

मूल्यांकन में विश्वास, ग्राहक सेवा, डिजिटल सेवाएं और वित्तीय सलाह जैसे प्रमुख मापदंडों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जहां केरल ग्रामीण बैंक ने लगातार उत्कृष्टता हासिल की है।

यह मान्यता केरल ग्रामीण बैंक की विश्वसनीय, ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग सेवाएं देने की प्रतिबद्धता और केरल के 'अपना बैंक' के रूप में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा पर जोर देती है। फोर्ब्स सूची में बैंक का शामिल होना इसके विशाल ग्राहक आधार के विश्वास और संतुष्टि के साथ ही वित्तीय समावेशन और ग्रामीण विकास के लिए इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रेल पटरियों के पास सूटकेस में मृत मिली महिला की गला घोंटकर की गई थी हत्या : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु के चंदापुरा में बुधवार को रेलवे पटरियों के पास जिस अज्ञात महिला का शव एक सूटकेस के अंदर मिला था, उसकी गला घोंटकर हत्या की गयी थी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह शव सूर्या सिटी के पास आनेकल में रेलवे पटरियों पर एक लावारिस सूटकेस में मिला था।

पुलिस को संदेह है कि कहीं और उसकी हत्या कर दी गयी हो तथा शव को चलती ट्रेन से अनेकल में फेंक दिया गया हो। बेंगलूरु ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक सी.के. बाबा ने कहा, महिला की गला घोंटकर हत्या की गई थी और शव को संभवतः चलती ट्रेन से फेंक दिया गया । उन्होंने कहा, ''हम मामले की जांच कर रहे हैं और हमारी प्राथमिकता मृत महिला की शिनाख्त करना है।'' बाबा के अनुसार प्राथमिक जांच में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि महिला के साथ बलात्कार किया गया हो। उसके शव पर चोट का कोई निशान भी नहीं है। भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 103 और 238 के तहत अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.